E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 275 | गुवाहाटी | मंगलवार, 12 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देबब्रत सैकिया ने हिमंत विश्व शर्मा को दी बधाई असम के अहम मुद्दों पर कार्रवाई की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधानसभा में पूर्व विपक्षी दल के नेता देवब्रत सैकिया ने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 2026 असम विधानसभा चुनाव में जीत पर बधाई दी। साथ ही उन्होंने राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण और लंबित मुद्दों पर नई सरकार से त्वरित पहल करने की अपील की। 11 मई को लिखे गए एक खुले पत्र में सैकिया ने डॉ. शर्मा को नई पारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में अगले पांच वर्षों के दौरान असम में शांति, विकास और स्थिरता का वातावरण मजबूत होगा। बधाई संदेश के साथ-साथ सैकिया ने कई संवेदनशील मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने असम समझौते को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा अवैध घुसपैठियों के निर्वासन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग की। उन्होंने असम की छह स्वदेशी समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की प्रक्रिया में तेजी लाने की भी अपील की और कहा कि यह मामला लंबे समय से लंबित है। हालिया विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य के सामाजिक माहौल का उल्लेख करते हुए सैकिया ने आरोप लगाया कि विभिन्न समुदायों और भाषाई समूहों के बीच विभाजन और तनाव की स्थिति उभरकर सामने आई। उन्होंने नई सरकार से सामाजिक सौहार्द बहाल करने और व्यापक असमिया पहचान को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता ने असम के प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच में तेजी लाने की मांग भी की तथा जांच प्रक्रिया के दौरान उनके परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की अपील की।

2016 के बाद असम में जितना विकास हुआ, आजादी के बाद किसी सरकार ने नहीं किया : हरीश द्विवेदी

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा नेता हरीश द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि वर्ष 2016 के बाद भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने असम के विकास के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं और आजादी के बाद इससे पहले किसी भी सरकार ने राज्य के लिए इतना काम नहीं किया था। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों के बीच गुवाहाटी में मीडिया से बातचीत करते हुए द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकास कार्य किए हैं। उन्होंने

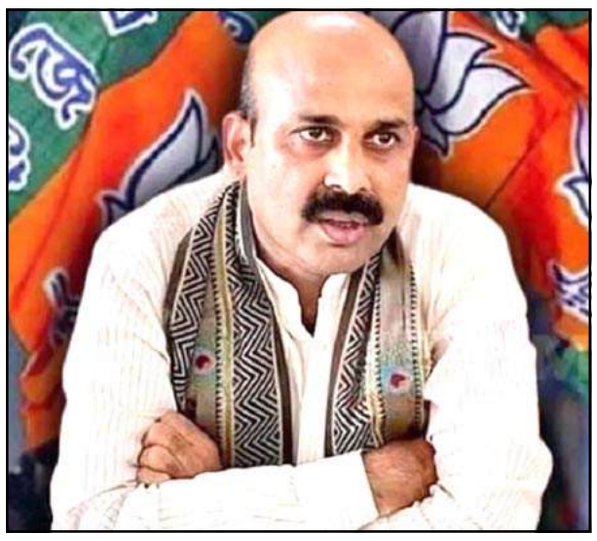

कहा कि असम विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिला प्रचंड जनादेश राज्य की जनता के विश्वास को दर्शाता है। द्विवेदी ने कहा कि नई सरकार आने वाले पांच वर्षों में जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए लगातार कार्य करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि मंगलवार को खानापाड़ा में आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में कई वरिष्ठ भाजपा नेता, केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए असम में लगातार तीसरी बार दो तिहाई से भी अधिक बहुमत के साथ सत्ता में लौटा है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर तकनीकी विकास के लिए एकजुट होने का मुख्यमंत्री का आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर देश के तकनीकी विकास और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि वर्ष 1998 में इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण के माध्यम से भारत ने विश्व के सामने स्वयं को एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया था। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को *नवभारत का स्वप्नद्रष्टा* बताया। उन्होंने कहा कि असम ने भी पिछले कुछ वर्षों में अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति देखी है। मुख्यमंत्री ने जागीरोड में सेमीकंडक्टर परियोजना से लेकर विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा व्यवस्था तक विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास का उल्लेख किया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस को ऐतिहासिक अवसर बताते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य और देश के लोगों से तकनीकी विकास के हित में पुन: संकल्प लेने की अपील की।

मेघालय के मुख्यमंत्री ने री भोई में राज्य के पहले सामुदायिक बायोचार संयंत्र का उद्घाटन किया

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने सोमवार को उम्सली स्थित ईस्टर्न री भोई ऑर्गेनिक एफपीसी प्रोसेसिंग प्लांट में राज्य के पहले समुदाय-केंद्रित बायोचार संयंत्र का उद्घाटन किया, जो टिकाऊ कृषि, जलवायु कार्रवाई और ग्रामीण आजीविका को जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, संगमा ने कहा कि किसानों की आय में सुधार करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है, और कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने और कृषि उत्पादों में मूल्यवर्धन करने के लिए कई तरह के उपाय शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर कार्यशील पूंजी सहायता प्रदान करने तक के प्रयास आवश्यक हैं, और प्रत्येक पहल के लिए समन्वित योजनाओं, परियोजनाओं और लक्षित मिशनों की आवश्यकता होती है। नए बायोचार संयंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना कई पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ प्रदान करती है, विशेष रूप से मेघालय की अम्लीय मिट्टी की स्थिति, भारी वर्षा और प्रचुर मात्रा में बांस संसाधनों को देखते हुए। उन्होंने कहा कि बायोचार का उत्पादन मेघालय के लिए एक व्यवहार्य प्रस्ताव है, और बताया कि संयंत्र की दो पायरोलिसिस इकाइयां कार्बन को वायुमंडल में छोड़े जाने के बजाय एक स्थिर रूप में बंद करके कार्बन पृथक्करण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाले उप-उत्पादों, जिनमें बायो-ऑयल और सिंथेसिस गैस (सिनगैस) शामिल हैं, का उपयोग पर्यावरण के लिए लाभकारी तरीकों से किया जा सकता है।

शोणितपुर के आमलगांव में सनसनीखेज हत्या एक गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के आमलगांव में एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई है। बीरू लगुन नामक एक व्यक्ति की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आज बताया कि हत्या का आरोप निर्मल मुंडा नामक व्यक्ति पर लगाया गया है। बताया गया है कि दोनों के बीच हुए विवाद के बाद यह घटना घटी। विवाद के दौरान निर्मल मुंडा ने बीरू लगुन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी निर्मल मुंडा को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

मणिपुर के उत्पाद शुल्क कर्मचारियों ने वेतन संशोधन के विरोध में 18 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की

इंफाल। मणिपुर उत्पाद शुल्क कर्मचारी कल्याण संघ ने राज्य सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क विभाग के कर्मचारियों के लिए संशोधित वेतन (आरओपी) 2016 को लागू करने में कथित विफलता के विरोध में 18 मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। सोमवार को जारी एक नोटिस में, एसोसिएशन ने कहा कि बार-बार की अपीलों, गारंटियों और अभ्यावेदनों के बावजूद वेतन संशोधन की उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग का कोई समाधान नहीं निकलने के बाद यह निर्णय लिया गया है। संस्था ने कहा कि संबंधित विभागों के साथ लगातार

संपर्क बनाए रखने के बावजूद, उत्पाद शुल्क कर्मियों के लिए आरओपी 2016 वेतन संरचना का कार्यान्वयन लंबित है, जिससे विभाग के कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। वेतन संशोधन के मुद्दे के अलावा, एसोसिएशन ने राशन राशि के लाभों के विस्तार और पुलिस कर्मियों की तर्ज पर 13 महीने के वेतन सहित वेतन लाभों में समानता की भी मांग की है। इस स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए, एसोसिएशन ने सरकार से आग्रह किया कि वह आबकारी कर्मचारियों के हित में मामले में तुरंत हस्तक्षेप करे और सकारात्मक और समयबद्ध तरीके से इसका समाधान करे। यह हड़ताल ऐसे समय में हो रही है जब राज्य सरकार पहले से ही विभिन्न समूहों के दबाव का सामना कर रही है, जिसमें सेवाओं से संबंधित अनसुलझी मांगें और वित्तीय लाभ शामिल हैं।

त्रिपुरा मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार से मासिक धर्म अवकाश नीति पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा

अगरतला। त्रिपुरा मानवाधिकार आयोग (टीएचआरसी) ने राज्य सरकार को महिला कर्मचारियों और छात्रों के लिए मासिक धर्म अवकाश और मासिक धर्म स्वास्थ्य से संबंधित अन्य कल्याणकारी उपायों पर अपना रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश टीएचआरसी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरिंदम लोध द्वारा आयोग द्वारा मामले का स्वत: संज्ञान लेने के बाद जारी किया गया था, जिसमें कार्यस्थल के अधिकारों और लिंग-संवेदनशील शासन के व्यापक संदर्भ में मासिक धर्म स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला गया था। आयोग ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है कि क्या राज्य सरकार ने मासिक धर्म अवकाश, उपस्थिति में छूट, मासिक धर्म स्वास्थ्य सहायता, या सरकारी कार्यालयों, निजी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों में कार्यस्थल पर सुविधाओं से संबंधित कोई नीति प्रस्तावित की है, उसकी जांच की है, या वर्तमान में उस पर विचार कर रही है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पहले की गई टिप्पणियों का हवाला देते हुए, आयोग ने कहा कि मासिक धर्म अवकाश सार्वजनिक नीति के दायरे में आता है और हितधारकों के साथ परामर्श के बाद केंद्र और राज्य सरकार दोनों द्वारा स्वतंत्र रूप से तैयार किया जा सकता है। आयोग ने कहा कि भारत में फिलहाल महिला कर्मचारियों या छात्राओं के लिए मासिक धर्म अवकाश अनिवार्य करने वाला कोई केंद्रीय कानून नहीं है। हालांकि, आयोग ने बताया कि कई राज्यों और संस्थानों ने इस संबंध में उपाय किए हैं।

जोराबाट में कृत्रिम जलभराव, राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी जाम

गुवाहाटी (हिंस)। सोमवार सुबह हुई बारिश के बाद गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र जोराबाट इलाके में कृत्रिम जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण क्षेत्र के कई हिस्सों में पानी भर गया। कृत्रिम जलभराव का असर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी देखा गया, जहां सड़क पर पानी जमा होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। इसके चलते राजमार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया। कार्यालय जाने वाले लोगों समेत आम यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रंगिया : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। अग्रणी स्वयंसेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा के सौजन्य से, रंगिया एचओ एंड बीपीसीएच तथा सिविल अस्पताल के सहयोग से सोमवार को स्थानीय पंचायती धर्मशाला प्रांगण में नि:शुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सामान्य जन को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का उद्घाटन समाजसेवी महेश सीकरिया ने किया। शिविर में 200 से अधिक रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें नि:शुल्क दवाएं वितरित की गईं। मेडिसिन, नेत्र, ईएनटी, दंत तथा हड्डी रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं प्रदान कीं। रंगिया के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. उमा शर्मा, डॉ. नीलमणि कलिता, डॉ. पद्मेश्वर कलिता सहित कई विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समिति ने स्थानीय विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और विशिष्ट अतिथियों का फूलाम गामोछा भेंटकर अभिनंदन किया। शाखा अध्यक्ष अरुणा अग्रवाल और सचिव संगीता सिकरिया ने शिविर के सफल संचालन के लिए सभी सदस्यों, कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को धन्यवाद दिया।

नगांव में नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों की समीक्षा

समस्याओं को समझकर जिला आयुक्त ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के दिए सुझाव

नगांव (निसं)। नगांव जिला अधिविद्या परिषद के तत्वावधान आज (सोमवार) नगांव जिला पुस्तकालय प्रेक्षागृह में माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को लेकर एक महत्वपूर्ण शैक्षिक समीक्षा बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की गई। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में जिले की शिक्षा व्यवस्था को अधिक गतिशील और समयानुकूल बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने आगामी समय में जिले के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक विभिन्न तैयारियों की जानकारी ली तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। विशेष रूप से नई शिक्षा नीति के आधार पर तैयार किए गए प्रश्नपत्रों के नए प्रारूप के संदर्भ में शिक्षकों और विद्यार्थियों को किस प्रकार तैयारी करनी चाहिए तथा कक्षा-कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है, इस विषय पर उन्होंने विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस समीक्षा बैठक में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने

अपने-अपने शिक्षण संस्थानों के संचालन में सामने आ रही व्यावहारिक समस्याओं और शैक्षणिक चुनौतियों को जिला प्रशासन तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के समक्ष स्पष्ट रूप से प्रगट किया। बैठक में नगांव जिला मंडल के विद्यालय निरीक्षक मृदुल कुमार नाथ, जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी विभूतिभूषण बरुवा, जिला परियोजना अधिकारी प्रशांत कोंवर, जिला अधिविद्या परिषद की सचिव पारुल गायन तथा सामान्य सचिव यज्ञेश्वर राजखोवा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले के शिक्षकों और शिक्षा प्रशासन के बीच सकारात्मक समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा पद्धति के अनुरूप आगे बढ़ने पर विशेष महत्व दिया गया।

ओमप्रकाश प्रमिला देवी स्मृति न्यास ने होजाई में नि:शुल्क सामूहिक विवाह योजना की घोषणा

होजाई (निसं)। साधारण परिवारों के जोड़ों की सहायता के लिए हृदयस्पर्शी प्रयास में, होजाई जिले के लंका के ओमप्रकाश प्रमिला देवी स्मृति न्यास के निर्देश रोहित अग्रवाला के नेतृत्व में नि:शुल्क सामूहिक विवाह योजना करने के उद्देश्य के साथ एक महत्वाकांक्षी पहल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त आयोजन पवित्र संस्कारों से लेकर वैध औपचारिकताओं तक सभी व्यवस्थाएं नि:शुल्क प्रदान करेगा। कार्यक्रम में विद्वान पुरोहितों द्वारा पारंपरिक विधि विधान से विवाह संपन्न कराया जाएगा, होजाई जिला प्रशासन की मदद से सरकारी विवाह पंजीयन, सुंदर स्थल पर विवाह का आयोजन, विवाह की पेशेवर छायाचित्रण एवं वीडियोग्राफी की जाएगी व की व्यवस्था तथा नये जीवन की शुरुआत हेतु विशेष भेंटें दी जाएंगी। दंपतियों को 31 मई तक लंका के स्टेशन रोड स्थित अग्रवाला जल उत्पाद (रेन वाटर) कार्यालय में पंजीकरण कराना होगा। जिज्ञासा के लिए मनजित (9365115383) या दिवाकर (7577916062) से संपर्क करें। न्यास के नया रोहित अग्रवाला ने कहा कि यह हमारा प्रयास है कि हम जरूरतमंद परिवारों की मदद कर सके उसी के तहत सामूहिक विवाह हमारी महत्वकांक्षी पहल है। वर्तमान समय में जीवनोपार्जन की बढ़ती लागत के बीच यह पहल जरूरतमंद परिवारों के लिए निजी विवाहों का सस्ता एवं आनंदपूर्ण विकल्प है।

मातृ दिवस पर होजाई मारवाड़ी महिला समिति ने जरूरतमंद बुजुर्ग माताओं के बीच बांटी राहत सामग्री

होजाई (निंस)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के तहत होजाई मारवाड़ी महिला समिति ने रांगलू ग्राम विकास परिषद द्वारा संचालित वृद्धाश्रम की आवासीय बुजुर्ग माताओं के बीच विभिन्न आवश्यक सामग्री और खाद्य पदार्थों का वितरण किया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम की माताओं को नए कपड़े, आटा, मूंग दाल, अरहर दाल, नमक, रिफाइंड तेल, साबुन, केला, आम, तकिया तथा बिस्तर की चादरें भेंट की गईं। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने बुजुर्ग माताओं के साथ नृत्य और आनंदमय गतिविधियों के माध्यम से दिन को अविस्मरणीय बना दिया। कार्यक्रम में महिला समिति की सक्रिय सदस्यों सोनल भीमसरिया, वर्तिका झवांर, पूजा क्याल, खुशबू भीमसरिया, पूनम शर्मा तथा बबिता अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी ने फल और अन्य सामग्री वितरित कर माताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में ग्राम विकास परिषद के उपाध्यक्ष आबुल कलाम, सदस्य मामुद अली, कलिमुद्दीन सहित परिषद के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। मातृ दिवस पर आयोजित यह पहल सामाजिक सेवा, मानवीय संवेदनाओं और बुजुर्ग माताओं के प्रति सम्मान का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरी।

गोसाईगांव में एसएसबी के 31वीं वाहिनी ने धूमधाम से मनाया मातृ दिवस

कोकराझाड़ (विभास)। 31वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गोंसाईगांव के वाहिनी मुख्यालय में मातृ दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम संदीक्षा अध्यक्षा श्रीमती संजू सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वाहिनी परिसर में उपस्थित सभी संदीक्षा सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मातृत्व के महत्व एवं समाज में माताओं के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वृद्ध माताओं को सम्मानित कर उनके प्रति आदर एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। साथ ही विभिन्न इंडोर खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सांस्कृतिक गतिविधियों एवं आपसी संवाद के माध्यम से कार्यक्रम को और अधिक यादगार बनाया गया। इस अवसर पर संदीक्षा अध्यक्षा श्रीमती संजू सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि माता हमारे जीवन की प्रथम गुरु होती हैं तथा उनके त्याग, प्रेम और संस्कार समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने सभी से माताओं के सम्मान एवं उनकी सेवा को जीवन का सर्वोच्च कर्तव्य मानने का आवाहन किया।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री ने प्राचीन मंदिरों और परंपराओं के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से भारत ने अपनी प्राचीन विरासत, संस्कृति, परंपराओं और मंदिरों के जीर्णोद्धार और संरक्षण की दिशा में व्यापक प्रयास देखे हैं। अगरतला के शिवबाड़ी परिसर में आयोजित *सोमनाथ स्वाभिमान पर्व* कार्यक्रम में बोलते हुए साहा ने कहा कि गुजरात का ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर सदियों से बार-बार हुए आक्रमणों का सामना करते हुए भी देश के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बना हुआ है। यह आयोजन 1026 में महमूद गजनी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए आक्रमण की 1,000वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जाता है। उन्होंने कहा कि अलाउद्दीन खिलजी, जाफर खान और औरंगजेब सहित कई आक्रमणकारियों ने इतिहास के विभिन्न समयों पर मंदिर पर हमला किया था, लेकिन लोगों ने देश की सभ्यतागत

पहचान और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के लिए इसे बार-बार पुनर्निर्मित किया। मुख्यमंत्री के अनुसार, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश भर में धार्मिक स्थलों के पुनर्निर्माण और संरक्षण को प्राथमिकता दी है, जिसके बारे में उनका दावा है कि पिछली सरकारों के दौरान इस पर इतना ध्यान नहीं दिया गया था। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से देश में प्राचीन इतिहास, परंपराओं, संस्कृति और मंदिरों का बड़े पैमाने पर पुनर्विकास और संरक्षण हुआ है। हालांकि दुनिया तेजी से बदल रही है, हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मूल्यों से गहराई से जुड़ी हुई हैं, साहा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने त्रिपुरा भर में धार्मिक स्थलों के पुनर्विकास के लिए भी कदम उठाए हैं। इससे पहले दिन में, साहा ने *सोमनाथ स्वाभिमान पर्व* के उपलक्ष्य में शिवबारी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 12 | अंक : 275 | गुवाहाटी | मंगलवार, 12 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सनातन संस्कृति पर आक्रमण हो सकते हैं, लेकिन उसे पराजित नहीं किया जा ... पेज 5
पेंशन अब म्यूचुअल फंड जितनी आसान : यूपीआई से खुलेगा खाता, मिलेगा... पेज 6
ऑस्ट्रेलिया ने पाक और बांग्लादेश दौरे के लिए टीमों का किया ... पेज 7
आंखों में बार-बार खुजली और चुभन को न समझें नॉर्मल थकान पेज 8

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

हिमंत की दूसरी शपथ से असम में लगेगी एनडीए की हैट्रिक

पीएम मोदी के साथ 40 से अधिक सीएम-डिप्टी सीएम रहेंगे मौजूद

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। हिमंत विश्व मंगलवार मंगलवार को लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए तैयार हैं। वहीं, असम में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के लगातार तीसरी कार्यकाल है। खानापाड़ा के पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ एनडीए के 40 से अधिक मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उपस्थित रहने की उम्मीद है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य सुबह 11:40 बजे हिमंत और नए मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। आमंत्रित प्रमुख अतिथियों में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा एवं उपमुख्यमंत्री प्रेस्टन टाइनसोंग, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो एवं उपमुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग सहित भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ मंत्री शामिल हैं। उधर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के आगमन को देखते हुए खानापाड़ा क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है तथा कई मार्गों में यातायात परिवर्तन लागू किया गया है। वीआईपी आगमन के मद्देनजर

कामाख्या से खानापाड़ा और बोरझाड़ हवाई अड्डे से कार्यक्रम स्थल तक सड़कों की सफाई, मरम्मत और रंगाई-पुताई का कार्य पिछले तीन दिनों से लगातार जारी है। मालूम हो कि मंगलवार, जो पहली बार 2021 में मुख्यमंत्री बने थे, असम में लगातार दो कार्यकाल तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता होंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के 2016 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल के नेतृत्व में पहली बार सत्ता में आई। भाजपा, असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से मिलकर बने एनडीए ने विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की। 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतीं। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतकर राज्य में पहली बार एकल-दलीय बहुमत प्राप्त किया। वहीं, अगप और बीपीएफ ने 10-10 सीटें जीतीं। मंगलवार के साथ ही मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों के शपथ ग्रहण करने की भी संभावना है, जिसमें गठबंधन के सभी साझेदारों का -शेष पृष्ठ छह पर

पार्टी घोषणापत्र लागू करना ही होगी पहली प्राथमिकता : सीएम

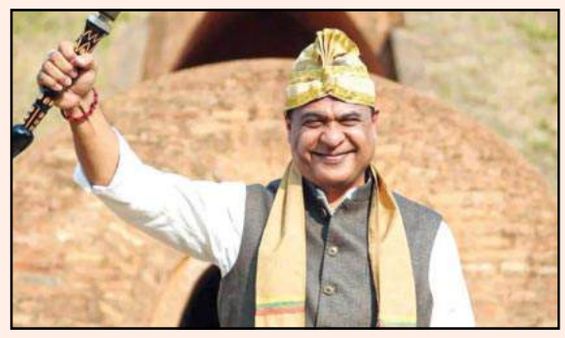

गुवाहाटी। असम के भावी मुख्यमंत्री हिमंत विश्व मंगलवार ने घोषणा की है कि 12 मई को शपथ ग्रहण के बाद नई सरकार पार्टी के घोषणापत्र को लागू करने को प्राथमिकता देगी। पत्रकारों से बात करते हुए मंगलवार ने कहा कि शपथ ग्रहण के बाद हम पहली कैबिनेट बैठक करेंगे। हमारा लक्ष्य अपने घोषणापत्र को लागू करना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 मई को गुवाहाटी पहुंचने की उम्मीद है, जहां वे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इस समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति और पार्टी कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे। मंगलवार ने कहा कि प्रधानमंत्री आज रात गुवाहाटी पहुंचेंगे। कल सुबह 11 बजे असम की नई सरकार शपथ लेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री समारोह में शामिल होंगे। हमारी पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं सहित कई लोग इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इससे पहले 11 मई को असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य की ओर -शेष पृष्ठ छह पर

सुप्रभात
कर्म सुख भले ही न ला सके, परंतु कर्म के बिना सुख नहीं मिलता।
-डिजरायली

पंजाब में सीएम मान के भाई ने थामा भाजपा का दामन

चंडीगढ़। राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के छह अन्य सांसदों के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चचेरे भाई ज्ञान सिंह सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में आयोजित इस समारोह में उपस्थित थे। ज्ञान सिंह का भाजपा में शामिल होना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वे लोकसभा और विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के प्रमुख अभियान रणनीतिकार रहे हैं। आगामी नगर निकाय चुनावों से ठीक पहले, एक महत्वपूर्ण समय पर पार्टी में शामिल होने का उनका निर्णय पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के भाई होने के बावजूद, ज्ञान सिंह ने पहले भी राज्य प्रशासन -शेष पृष्ठ छह पर

शपथ ग्रहण : छावनी में तब्दील हुआ पूरा गुवाहाटी महानगर

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित वेटरिनरी कॉलेज मैदान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। समारोह 12 मई को सुबह 11:40 बजे आयोजित होगा। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर कार्यक्रम स्थल पर व्यापक तैयारियां जारी हैं। समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, राजग सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा राज्यभर से बड़ी संख्या में पार्टी

कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। मैदान और उसके आसपास पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। विभिन्न स्थानों पर बैरिकेड लगाए गए हैं तथा सुरक्षा जांच चौकियां स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही मंच निर्माण, बैठने की व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इससे पहले असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार को -शेष पृष्ठ छह पर

भाजपा अध्यक्ष से चर्चा के बाद होगा असम मंत्रिमंडल का अंतिम फैसला : हिमंत

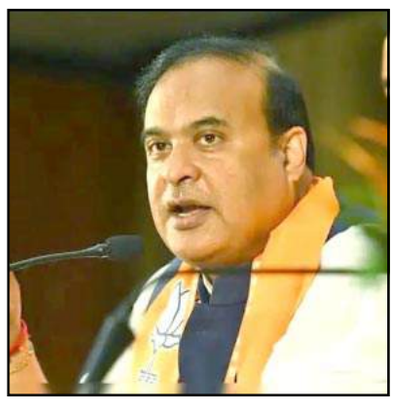

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार ने सोमवार को कहा कि नए राज्य मंत्रिमंडल के गठन को लेकर अंतिम निर्णय भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ विस्तृत चर्चा के बाद लिया जाएगा। नितिन नवीन सोमवार देर रात गुवाहाटी पहुंचने वाले हैं। मीडिया से आज बातचीत करते हुए डॉ. हिमंत ने कहा कि नई सरकार में शामिल किए जाने वाले मंत्रियों की अंतिम सूची मंगलवार सुबह शपथ ग्रहण समारोह से पहले जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह मंत्रिमंडल गठन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर फोन पर चर्चा करने के बजाय आमने-सामने बातचीत को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने बताया कि नितिन नवीन

रात लगभग 10 बजे लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचेंगे और एयरपोर्ट से होटल तक के सफर के दौरान मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं और उनके नेतृत्व में असम में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का गठन होगा। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को खानापाड़ा में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री पद के लिए नामित डॉ. हिमंत ने कहा कि समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री, -शेष पृष्ठ छह पर

सोने की खरीदारी घटी तो एक करोड़ नौकरियां होंगी प्रभावित : जीजेसी चेयरमैन

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक वर्ष तक सोने की खरीद टालने संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद रत्न एवं आभूषण उद्योग पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एक उद्योग संगठन ने सोमवार को यह आशंका जताई। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण परिषद (जीजेसी) के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने कहा कि प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से एक करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देने वाले रत्न एवं आभूषण उद्योग पर प्रधानमंत्री की इस अपील के बाद दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ छह पर

एनडीए 3.0 का बड़ा एलान

राज्य के 10 लाख युवाओं को मिलेगा पांच लाख रुपए का उद्यमिता सहयोग

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार ने सोमवार को राज्य के युवाओं के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 3.0 सरकार की बड़ी योजना की घोषणा करते हुए कहा कि असम के 10 लाख युवाओं को उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक को पांच लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच

एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य *आत्मनिर्भर असम* के निर्माण को गति देना, स्थानीय उद्यमों को बढ़ावा देना तथा युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर तैयार करना है। उन्होंने कहा कि बेहतर भविष्य केवल एक वादा नहीं, बल्कि सरकार का मिशन है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि -शेष पृष्ठ छह पर

गौरव गोगोई ने भाजपा को घेरा, कहा-

महिलाओं ने वोट दिए अब सुरक्षा की गारंटी दें

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से जन कल्याण को प्राथमिकता देने और राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। सोमवार को बोलते हुए, गोगोई ने इस बात पर जोर दिया कि असम पुलिस को भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने के बजाय सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गोगोई ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकतंत्र में जनता के हित सर्वोपरि होते हैं। इस सरकार को असम की जनता की -शेष पृष्ठ छह पर

संसदीय साक्षरता और मूल्य आधारित पत्रकारिता जरूरी : हरिवंश

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सोमवार को कहा कि डिजिटल दौर में पत्रकारिता में तेजी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह सटीकता की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने युवा पत्रकारों से मूल्य आधारित और विश्वसनीय पत्रकारिता को मजबूत करने का आह्वान किया। संसद भवन परिसर में राज्यसभा टीवी इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हरिवंश ने कहा कि किसी भी पत्रकार के लिए संसदीय साक्षरता उतनी ही आवश्यक है जितनी पेशेवर दक्षता। उन्होंने कहा कि संसद वह स्थान है जहां राष्ट्र का इतिहास लिखा जाता है और इसकी सही रिपोर्टिंग के लिए संवैधानिक ढांचे, नियम पुस्तिकाओं तथा संसदीय परंपराओं की गहरी समझ जरूरी है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से संसद टीवी को विश्वसनीय सूचना का मानक बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि डिजिटल मीडिया के दौर में गति बढ़ी है, लेकिन पत्रकारिता की विश्वसनीयता और तथ्यात्मक सटीकता सर्वोपरि रहनी चाहिए। उपसभापति ने कहा कि युवा पत्रकार जटिल विधायी प्रक्रियाओं और आम नागरिक की आकांक्षाओं के बीच सेतु का काम कर सकते हैं।

अफसरों पर सुवेंदु की सर्जिकल स्ट्राइक 900 सलाहकारों-ओएसडी की छुट्टी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की पहली कैबिनेट मीटिंग में सर्जिकल स्ट्राइक हुई। राज्य सरकार ने रिटायरमेंट के बाद भी काम कर रहे सरकारी अधिकारियों की नौकरी खत्म करने का फैसला किया। इससे पहले, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई इलाकों में रिटायरमेंट के बाद भी अधिकारियों को काम करते रहने की छूट दी थी। हालांकि नए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार ऐसा नहीं होगा। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सुवेंदु अधिकारी ने निर्देश दिया कि अलग-अलग बोर्ड, ऑर्गनाइजेशन और पब्लिक सेक्टर यूनिट के नॉमिनेटेड

मेंबर, डायरेक्टर और चेयरपर्सन का टर्म तुरंत खत्म होना चाहिए। सभी डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, प्रिंसिपल सेक्रेटरी और सेक्रेटरी को लेटर भेजे गए हैं। 60 साल की उम्र के बाद दोबारा अपॉइंट हुए या जिनका सर्विस टर्म बढ़ाया गया है, उनके मामले में भी एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट में इस निर्देश को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। असल में, राज्य के अलग-अलग डिपार्टमेंट में 900 से ज्यादा एडवाइजर और ओएसडी काम कर रहे थे। उन्हें उस समय की ममता बनर्जी सरकार ने दोबारा अपॉइंट किया था।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : मोदी

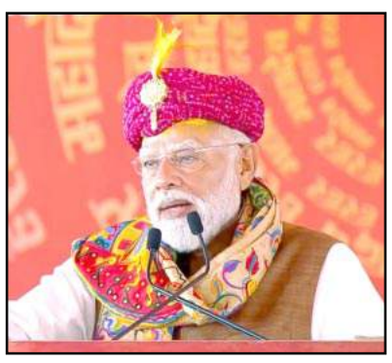

गिर सोमनाथ (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही उसे दबाव में ला सकती है। उन्होंने कहा कि 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय कराया था। गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे और उसके बाद दुनिया भर की शक्तियों ने भारत पर विभिन्न प्रकार के

प्रतिबंध लगाए थे। उन्होंने कहा कि 11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी, लेकिन 13 मई को भारत ने दो और परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह दिखाया था कि भारत के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षणों को -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

शुभेन्दु की चुनौतियां

देश को मिली स्वतंत्रता के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी को राज्य में सरकार बनाने का अवसर मिला इसलिए शुभेन्दु अधिकारी को भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक सौभाग्य प्राप्त हुआ। शुभेन्दु अधिकारी की सरकार में जाति और क्षेत्रीय संतुलन को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। मुख्यमंत्री ब्राह्मण हैं जबकि अग्निमित्रा पाल कायस्थ हैं। अशोक कीर्तनिया मतुआ समुदाय के हैं जो अनुसूचित जाति के हैं। बुद्धिराम टुडू जंगल महल के आदिवासी हैं। निशीथ प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजवंशी नेता हैं। दिलीप घोष ओबीसी समाज से आते हैं। इसी तरह क्षेत्रीय आधार देखें तो इस मंत्रिपरिषद में उत्तरी पश्चिम बंगाल से दो जबकि दक्षिण बंगाल से तीन मंत्रियों को शामिल किया गया है। जहां भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ के साथ पहली कैबिनेट बैठक में ही चुनाव के समय किए गए वायदे को पूरा करने के संकल्प को पूरा करने की शुरुआत के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा राज्य के मुख्य सचिव एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ की, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनजी ने भाजपा को हटाने के लिए सभी विरोधी पार्टियों को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने दुश्मन के दुश्मन दोस्त की राजनीति की वास्तविकता को दरकिनार करके उन वामपंथी विचारधाराओं के लोगों से भी समर्थन मांगा ताकि भाजपा को रोका जा सके। दरअसल भाजपा ने शुरू से ही पश्चिम बंगाल की जनता की समस्याओं को दूर करने का संकल्प लिया और उन्हें दूर करने की जो रणनीति बना रही है, वह समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित होगी। सच तो यह है कि राजनीति में जिस तरह नेताओं की निष्ठाएं किसी एक जगह खूंटे में बंधकर नहीं रहती, ठीक उसी तरह मतदाता मात्र भाषण देने वालों और कल्याणकारी योजनाओं को रोकने वालों को हमेशा समर्थन देने के लिए बाध्य नहीं है। जनता हमेशा ऐसे नेताओं की तलाश में रहती है जो उनके कल्याण के लिए काम करे। भाजपा के सामने सबसे बड़ी समस्या है जन-जन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाना। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि सुरक्षा और रोजगार दोनों एक-दूसरे से बंधे हैं। टीएमसी ने जिस तरह राज्य की सरकारी मशीनरी का राजनीतिकरण किया और राजनीति का अपराधीकरण कर दिया उसी दिन पश्चिम बंगाल विकास में आग लग गई और वह भस्म हो गई। कभी राज्य में वामपंथी अपराधियों ने पश्चिम बंगाल में पूंजी निवेशक देशी उद्योगपतियों को सड़कों पर नंगा करके जलील किया तो कभी उद्योगों को कटमनी देने के लिए विवश किया। वही सिलसिला ममता की टीएमसी के अपराधी कार्यकर्ताओं ने भी किया। इस तरह देश के जाने-माने बिरला, टाटा, किरलोस्कर, ऊषा, डाबर और भारी उद्योगों ने पश्चिम बंगाल से अपना कारोबार समेट लिया। अपराधियों ने राज्य के जूट उद्योग को भी धमका कर चौपट कर दिया। रही सही कसर टीएमसी के सिरफुटे नेताओं ने व्यापारियों के मार्केटिंग कारोबार को भी उगाही और लूट- खसोट करके चौपट कर दिया। इसीलिए जब तक राज्य में कानून व्यवस्था में सुधार नहीं होगा तब तक पश्चिम बंगाल में खुशहाली नहीं आ सकती। इसीलिए बिना किसी राजनीतिक लाभ-हानि की परवाह किए शुभेन्दु अधिकारी सरकार को कठोरता से राजनीति को अपराधियों के चंगुल से छुड़ाकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं की जान बचानी होगी तथा राज्य के व्यापारियों, किसानों और स्थानीय व्यवसाय के क्षेत्र में सक्रिय लोगों को अपनी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना होगा। एक बार राज्य में कटमनी, टोलाबाजी और अराजकता पर नियंत्रण हो गया तो बड़े उद्योगपति खुद ही पूंजी निवेश करने के लिए उस आकर्षित होंगे और राज्य दूसरे राज्यों की तरह समृद्ध होगा। शुभेन्दु सरकार को साबित करना होगा कि वह जनता के सच्चे हितैषी हैं और राज्य में विकास लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस वक्त शुभेन्दु के सामने तमाम चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं और उन्हें इन सभी से निपटना होगा।

भारतीय जनता पार्टी को राज्य में सरकार बनाने का अवसर मिला इसलिए शुभेन्दु अधिकारी को भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनने का ऐतिहासिक सौभाग्य प्राप्त हुआ। शुभेन्दु अधिकारी की सरकार में जाति और क्षेत्रीय संतुलन को पूरी तरह ध्यान में रखा गया है। मुख्यमंत्री ब्राह्मण हैं जबकि अग्निमित्रा पाल कायस्थ हैं। अशोक कीर्तनिया मतुआ समुदाय के हैं जो अनुसूचित जाति के हैं। बुद्धिराम टुडू जंगल महल के आदिवासी हैं। निशीथ प्रामाणिक उत्तर बंगाल के प्रभावशाली राजवंशी नेता हैं। दिलीप घोष ओबीसी समाज से आते हैं। इसी तरह क्षेत्रीय आधार देखें तो इस मंत्रिपरिषद में उत्तरी पश्चिम बंगाल से दो जबकि दक्षिण बंगाल से तीन मंत्रियों को शामिल किया गया है। जहां भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ने अपने पद और गोपनीयता की शपथ के साथ पहली कैबिनेट बैठक में ही चुनाव के समय किए गए वायदे को पूरा करने के संकल्प को पूरा करने की शुरुआत के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा राज्य के मुख्य सचिव एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ की, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनजी ने भाजपा को हटाने के लिए सभी विरोधी पार्टियों को एकजुट होने का आह्वान किया।

कुछ अलग

जीवन में शांति के उपाय

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है। समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं। अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून–व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है। विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल

कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है। हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है। यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है।

देश दुनीया से

एक पौधा हमें बचा सकता है, हम उसे बचा नहीं पा रहे

प्रकृति की गोद में रची-बसी भारतीय धरती आज भी जैव-विविधता के अनगिनत रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए है, और आधुनिक वैज्ञानिक खोजें लगातार यह साबित कर रही हैं कि यह खजाना अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। हाल ही में खोजी गई पौध प्रजाति यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र में अभी भी अनेक अनदेखे रहस्य मौजूद हैं। यह खोज केवल एक नई वनस्पति की पहचान नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत के वन, पर्वतीय क्षेत्र और सूक्ष्म आवास विज्ञान के लिए निरंतर नए द्वार खोल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट में ऐसी खोजों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि पर्यावरणीय अनुसंधान अब अधिक गहराई और विस्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। मरुस्थल जैसी कठोर परिस्थितियों में भी जीवन की सूक्ष्म संभावनाएँ कितनी समृद्ध हो सकती हैं, यह यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह दुर्लभ पौधा आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के निगिडी वन क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों के बीच लगभग 450 से 550 मीटर की ऊँचाई पर पाया गया है, जहाँ अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियाँ मौजूद हैं। फिर भी यह प्रजाति अपनी विशिष्ट जैविक संरचना के बल पर जीवित है और पर्यावरण के साथ अद्भुत संतुलन स्थापित करती है। इसकी पत्तियों और तने की बनावट जल संरक्षण की अत्यंत उन्नत क्षमता प्रदान करती है, जिससे यह शुष्क क्षेत्रों में भी टिकाऊ बनी रहती है। इसे असाधारण अनुकूलन क्षमता के कारण यह पौधा वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और गहन अध्ययन का विषय बन चुका है। वैज्ञानिक अनुसंधानों की बढ़ती गति ने भारत की जैव-विविधता को नए आयामों में उजागर करना प्रारंभ कर दिया है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में सैकड़ों नई पौध प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, जो यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि जैविक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध देश है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट और बॉटेनिकल सर्वे

ऑफ़ इंडिया के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में हजारों नई पौध प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। केवल वर्ष 2024 में ही 410 से अधिक नई प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं। इनमें अनेक प्रजातियाँ औषधीय गुणों से युक्त हैं, जो भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। ये निरंतर हो रही खोजें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग की आवश्यकता को और अधिक अनिवार्य बना देती हैं। इन दुर्लभ पौधों का अध्ययन अब केवल जैव-विज्ञान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझने का आधार बन गया है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी प्रजातियाँ दर्शाती हैं कि छोटे-से-छोटे आवासों में भी जीवन के सूक्ष्म और जटिल चक्र सक्रिय रहते हैं। यदि इन संवेदनशील क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता रहा, तो अब तक अनदेखी जैव-विविधता गंभीर रूप से प्रभावित या विलुप्त हो सकती है। इसलिए वैज्ञानिक ऐसे क्षेत्रों की सतत निगरानी और संरक्षण पर विशेष जोर दे रहे हैं। यह प्रजाति अत्यंत दुर्लभ है; लगभग 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में केवल करीब 80 पौधे ही पाए गए हैं। ग्रेनाइट खनन और जंगल की आग इसके अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। विस्तृत जैव-भौगोलिक परिदृश्य में फैले पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत और दक्कन पठार आज नई प्रजातियों की खोज के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। हर वर्ष यहाँ होने वाली नई पहचानें यह स्पष्ट करती हैं कि वनस्पति और जीव-जगत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी विज्ञान की वर्तमान समझ से बाहर है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज भी इसी निरंतर श्रृंखला का हिस्सा है, जो यह दर्शाती है कि सूक्ष्म स्तर पर भी प्रकृति अत्यंत जटिल और विविध संरचनाओं से बनी हुई है। ऐसी खोजें न केवल वैज्ञानिक अध्ययन को दिशा देती हैं, बल्कि नीति निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करती हैं। इन वैज्ञानिक खोजों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ये स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और अनुभव से गहराई से जुड़ी होती हैं। आदिवासी और ग्रामीण समाज अक्सर ऐसे पौधों की पहचान पहले ही कर लेते हैं, जिनका औपचारिक वैज्ञानिक वर्गीकरण बाद में किया जाता है। यह सहभागिता जैव-विविधता अनुसंधान को अधिक सशक्त और विश्वसनीय बनाती है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसे पौधों के अध्ययन में भी स्थानीय ज्ञान की अहम भूमिका रही है, जो यह स्पष्ट करता है कि विज्ञान और परंपरा का संगम प्रकृति को समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखें तो ये खोजें केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी भी हैं। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और तेजी से बढ़ता शहरीकरण कई प्रजातियों को उनके दर्ज होने से पहले ही विलुप्ति की ओर धकेल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि संरक्षण उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में जैव-विविधता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसी संदर्भ में यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी खोजें केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता का स्पष्ट संकेत भी हैं। भारत की जैव-विविधता एक ऐसी जीवित पुस्तक है, जिसके नए अध्याय हर वर्ष खुलते जा रहे हैं।

आप का नजरीया

जिंदगी निगलती रफ्तार

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं। दुर्भाग्य से लाखों लोग ऐसे भी होते हैं जो जीवनपर्यंत अपंगता का शिकार हो जाते हैं। विडंबना यह भी कि सड़क दुर्घटनाओं में दम तोड़ने वाले लोगों में बड़ी संख्या युवा आबादी की है। ये युवा आबादी अपने परिवार की कमाई का मुख्य जरिया होती है, उनकी मौत पूरे परिवार को गरीबी की दलदल में धकेल देती है। यहां प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में कमी क्यों नहीं आ रही है। वास्तव में कोशिश होनी चाहिए कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए होने वाले प्रयास जमीनी हकीकत भी बनें, जो वास्तव में राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे को दुर्घटनाओं से निरापद बना सकें। निस्संदेह, चौड़ी व तेज गति देने वाली सड़कें देश के विकास को प्राणवायु देती हैं, लेकिन ये सड़कें यात्रियों की प्राण रक्षा करने वाली भी होनी चाहिए। सरकार की तरफ से कोशिश होनी चाहिए कि राजमार्गों पर ढाबे एक निश्चित दूरी पर हों और उनके पास ट्रकों व भारी वाहनों को खड़ा करने का पर्याप्त स्थान हो। साथ ही अक्सर बड़ी दुर्घटना का कारण बनने वाले सड़क पर खड़े वाहनों पर रोक लगाने के लिए सख्त नियम बने और सख्त जुर्माना तय हो। कायदे से राजमार्गों पर कहीं भी वाहन को खड़ा करने की अनुमति प्रदान नहीं की जानी चाहिए। साथ ही सड़क निर्माण में किसी तकनीकी खामी की गुंजाइश न रहे, इसके लिये भी पर्याप्त सतर्कता उपाय किए जाने चाहिए। इन मार्गों पर अंधेरे में भी नजर आने वाले पर्याप्त संकेतक होने चाहिए ताकि वाहन चालकों को किसी तरह का असमंजस राजमार्ग पर चलते हुए न हो।

देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है।

दृष्टि कोण

तमिलनाडु में विजय की पाटा की विजय राजनीति में नईं शुरुआत

तमिलनाडु में विजय की पाटा की विजय राजनीति में नईं शुरुआत वुछ दिन पूर्व पांच विधानसभाओ के चुनाव हुए और इन चुनावों में आसाम, बंगाल और पुडुचेरी में भाजपा के हिदू धर्म पर आधारित राजनीति विजयी हुई विशेषकर बंगाल में जहां ममता बनजा के 15 वर्ष के शासन का अंत हुआ और पहली बार डॉ श्यामा प्रसाद मुखजा के राज्य बंगाल में भाजपा की सरकार बनी। पर केरल में कांग्रेस की सरकार और तमिलनाडू में अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की जीत ने आज की धर्म और जाति की राजनीति को नकार कर नईं शुरुआत की। पिछले 5 दशक यानि 1967 के बाद से पहली बार डी एम के और ए आई आई डी एम के को नकारने हुए ईसाई पिता और हिदू मा के बेटे विजय जिसकी आस्था डॉ आंबेडकर और पेरियार में रही है को जिताया है। प्रश्न यह है कि क्या दक्षिण राज्यों विशेषकर तमिलनाडू में नईं राजनीति की शुरुआत हो रही है। जहां तक एम के स्टॅलिन के नेतृत्व वाली डी एम के सरकार की पराजय का प्रश्न है तो विधानसभा चुनाव परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि मात्र हिदी भाषा और उत्तर भारतीयों के विरोध के विरोध से ही चुनाव नहीं जीते जा सकते, यद्दापि स्टालिन सरकार ने स्वूलों आदि में जाति पर आधारित सरनेम को न लिखने जैसे अनेक प्रगति शाली कदम उठाए हैं पर क्षेत्र की सिर्प उत्तर विरोध पर आपको अनन्त समय तक समर्थक नहीं दे सकते इसके लिए इन चीजों से ऊपर उठकर आर्थिक विकाश के लिय काम करना होगा। थलपत विजय की जीत के महत्वपूर्ण कारणों का विश्लेषण करने

पर यह बात सामने आई है कि उनकी यह जीत 15 वर्षों की मेहनत का नतीजा है। भले ही टीवीके की नींव 2 साल पहले यानी 2024 में रखी गई पर विजय ने वर्ष 2009 में गुपचुप तरीके से इस पर काम करना शुरू कर दिया था करीब 15 साल तक उन्होंने एक मजबूत योजना पर काम किया और 2026 में उसे पुराने द्रविड़ राजनीति को चुनौती दी जिसमें सभी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और द्रविड़ मुनेत्र खड़गम के घूमती रहती थी और 1967 के बाद यह पहला अवसर है कि सत्ता इन दोनों परटियों से अलग किसी तीसरी पाटा को आई है और सबसे बड़ी और आर्यजनक बात यह है कि भारतीय जनता पाटा की पूरे देश में स्वीकार्यता तथा वेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे खुशहाल रणनीतिकार के रहते हुए तमिलनाडु के लोगो ने परिवर्तन के नाम पर एआईएडीएमके और डीएमके को नकारने के बाद थलपति विजय की पाटा को विकल्प के रूप में चुना है। अभिनेता विजय ने राजनीति में प्रवेश करने और चुनाव लड़ने के पैसले के साथ ही अपने पैंस को ही अपनी ताकत बनाया। अपने पैन्स क्लब को संगठित कर विजय मक्कल इयक्कम नाम का सामाजिक संगठन खड़ा किया। भले ही ये ऊपर से समाज सेवा का मंच दिखता था लेकिन असल में यह धीरे-धीरे एक मजबूत राजनीतिक संगठन बन गया। शुरू के करीब 10 वर्षो तक राज्यभर में हजारों पैंस क्लब बनाए इनके जरिए यह समाज सेवा और चैरिटी के काम करने लगे। साल 2011 में चव्रवात के समय राहत शिविर लगाए गए, होनहार छात्रों को सम्मानित किया और गरीब बच्चों के लिए पढ़ाई की व्यवस्था कीगई। इसके अलावा ब्लड डोनेशन वैंप आयोजित करना, खाना बांटना और महिला सशत्तिकरण और गरीबी उन्मूलन जैसे प्रयासों से लोगों के बीच उनकी पहचान और मजबूत हुई। विजय की सियासी सफलता के पीछे उनके रणनीतिकारों की बड़ी भूमिका रही, टीवी के इस जीत में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने प्रमुख भूमिका निभाई उनके साथ अनुभवी रणनीतिकार माने जाने वाले जान आरोक्या स्वामी ने संगठन को मजबूत करने में पूरा सहयोग किया।

सनातन संस्कृति पर आक्रमण हो सकते हैं, लेकिन उसे पराजित नहीं किया जा सकता : योगी आदित्यनाथ

सोमनाथ मंदिर के 75वर्ष पूरे होने पर काशी में आयोजित हुआ सोमनाथ संकल्प महोत्सव

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1000 वर्ष पूर्व आक्रांता महमूद गजनवी के आक्रमण सहित विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर पर 17 बार आक्रमण कर उसके वैभव को खंडित करने का प्रयास किया था। क्योकि उन्हें यह भ्रम था कि मूर्तियों को खंडित करके इसके वैभव को लूट कर वे भारत की सनातनी आत्मा को सदैव के लिए समाप्त कर सकते हैं। सनातन संस्कृति पर आक्रमण तो हो सकते हैं, लेकिन उसे कभी पराजित नहीं किया जा सकणा। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के त्रयंबकेश्वर बहुउद्देशीय हाल में सोमनाथ मंदिर के 75वर्ष पूरे होने पर आयोजित सोमनाथ संकल्प महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। *सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा* के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने सोमनाथ मंदिर पर हुए विदेशी आक्रांताओं के हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि सिर्फ सोमनाथ महादेव मंदिर

पर ही नहीं भारत के हजारों धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के साथ काशी विश्वनाथ धाम पर भी हमला हुआ। इसके बावजूद भारत की सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक चेतना आज भी पूरी शक्ति के साथ जीवित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम दोनों ही भारत के इतिहास और सनातन संस्कृति की अदम्य शक्ति के प्रतीक हैं। सनातन संस्कृति पर आक्रमण तो हो सकते हैं, लेकिन उसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता, विनाश क्षणिक होता है, जबकि सृजन शाश्वत होता है। इससे पहले महोत्सव में स्कूल की छात्राओं ने शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी का स्वागत किया। समारोह में अतिथियों ने सोमनाथ महादेव को प्रणाम और पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जन समूह ने *?* का जप किया। इसके बाद सोमनाथ संकल्प का सामूहिक पाठ किया गया। मुख्यमंत्री ने भी संकल्प का वाचन किया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं व अतिथियों ने भी उसका सामूहिक अनुच्चारण किया। महोत्सव में मुख्यमंत्री ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को पटका और रुद्राक्ष की माला पहनाई। इसके बाद वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी ने मुख्यमंत्री को पटका और रुद्राक्ष की माला पहनाई। सोमनाथ मंदिर के 75वर्ष पूरे होने पर श्री काशी-विश्वनाथ मंदिर परिसर के मल्टीपरपज हॉल में आयोजित प्रदर्शनी का भी राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। समारोह में कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

अपराधी पुलिस को चैलेंज करेगा तो 48 घंटे में जवाब मिलेगा : सम्राट चौधरी

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को राजधानी पटना के मंदिरी नाला सड़क परियोजना का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर कहा कि अगर कोई पुलिस को चुनौती देगा तो 48 घंटे के भीतर जवाब मिलेगा। उन्होंने साफ कहा कि अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और सरकार की प्राथमिकता हर हाल में सुशासन कायम रखना है। सम्राट चौधरी ने कहा कि *मैंने पुलिस का हाथ खोल दिया है। पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि अगर कोई उन्हें चुनौती देता है तो 48 घंटे के भीतर जवाब दें। सरकार के लिए यह मायने नहीं रखता कि अपराधी किस जाति या धर्म का है। अपराध करने वाला किसी भी हाल में बच नहीं सकता। बिहार में कानून का राज है और इसे बरकरार रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।* सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बिहार तेजी से आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। सरकार राज्य में इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्योग लगाने के लिए सबसे जरूरी चीज सुशासन और कानून का राज है। इसी कारण सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिरी नाला के आसपास का इलाका लंबे समय से जाम की समस्या से जूझ रहा था। अब इस सड़क के शुरू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पूरा इलाका

तेजी से रेसिडेंशियल से कॉमर्शियल हब में बदलने जा रहा है। इसके लिए उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पूरी टीम को धन्यवाद दिया। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार सिर्फ एक सड़क बनाकर रुकने वाली नहीं है, बल्कि पटना के दोनों ओर नए शहर विकसित किए जाएंगे। एक ओर पाटलिपुत्र शहर विकसित होगा तो दूसरी ओर हरिहरनाथ पुरम शहर बसाया जाएगा। इसके अलावा आने वाले कुछ महीनों में दीदारगंज छोटी पहाड़ी होते हुए राघोपुर से हाजीपुर तक सड़क संपर्क भी सुचारू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरकार ने इस सड़क का नामकरण नितिन नवीन के पिता और बांकीपुर क्षेत्र के पूर्व विधायक नवीन किशोर सिन्हा के नाम पर किया है। अब यह सड़क *नवीन किशोर सिन्हा पथ* के नाम से जानी जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि अगले वर्ष इस परियोजना की वर्षगांठ पर नवीन किशोर सिन्हा की आदमकद प्रतिमा भी इस सड़क पर स्थापित की जाए।

प्रधानमंत्री के सात संदेश राष्ट्रहित में हर नागरिक का कर्तव्य : मदन राठौड़

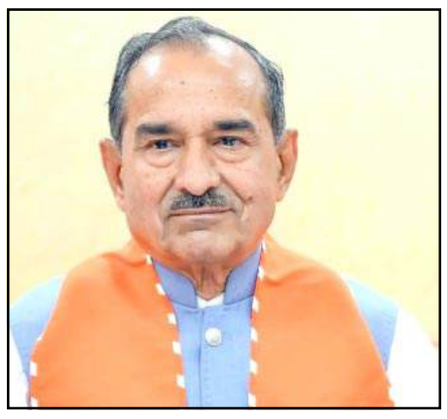

जयपुर (हिंस)। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और आर्थिक चुनौतियों के दौर में नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से किया गया *राष्ट्र प्रथम- कर्तव्य सर्वोपरि* का आह्वान आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए सात संदेश केवल सुझाव नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य हैं। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से जहां संभव हो *वर्क फ्रॉम होम* को प्राथमिकता देने, अगले एक वर्ष तक अनावश्यक रूप से सोना खरीदने से बचने, पेट्रोल एवं डीजल की खपत कम करने तथा मेट्रो एवं सार्वजनिक परिवहन के अधिक उपयोग का आग्रह किया है। इसके साथ ही खाद्य तेल के सीमित उपयोग, अनावश्यक उपभोग में कमी, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाकर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह आह्वान केवल आर्थिक मजबूती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा बचत और *वोकल फॉर लोकल* की भावना को भी सशक्त करता है। विदेश यात्राओं को सीमित करने और स्वदेशी संसाधनों को प्राथमिकता देने से देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक प्रधानमंत्री के इन संदेशों को अपने दैनिक जीवन में अपनाए और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि जब देश का प्रत्येक नागरिक अपने कर्तव्यों को समझकर आगे बढ़ेगा, तभी भारत विश्व पटल पर और अधिक शक्तिशाली एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

शैक्षिक महासंघ ने सरकार के खिलाफ किया आंदोलन का शंखनाद

जोधपुर (हिंस)। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) ने सरकारी नीतियों और विभागीय कामकाज में देरी के विरोध में आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। प्रदेशाध्यक्ष रमेशचंद्र पुष्करणा ने बताया कि संगठन के लगातार प्रयासों के बावजूद आवश्यक निर्णय समय पर नहीं लिए जा रहे हैं, जिससे संगठन को मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा। जोधपुर के जिलाध्यक्ष भरत सिंह खुड़ुड़िया और जिलामंत्री सुभाष बिश्नोई ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के प्रतिनिधि मंडल ने क्रमिक आंदोलन की रूपरेखा घोषित की। लूणी ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल ने कहा कि आंदोलन की वजहें कई हैं, जिनमें शिविरा पंचांग में संशोधन, तृतीय श्रेणी सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण, 2019 से अब तक पदोन्नति और पद स्वीकृति, स्टाफिंग पैटर्न लागू करना, संविदा शिक्षकों का नियमित करना तथा संगठन के अन्य मांग पत्र अनुसार परिणाम नहीं मिलना शामिल हैं।

ग्राम विकास चौपाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बोले

कृषि, डेयरी और सहकारिता से समृद्ध होंगे गांव

अजमेर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्कर के कड़ैल गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में किसानों, युवाओं और ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि कृषि, डेयरी और सहकारिता क्षेत्र की मजबूती से गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और ग्रामीण जीवन स्तर में व्यापक सुधार आएगा। उन्होंने किसानों से आधुनिक एवं जैविक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि परंपरागत खेती के साथ तकनीकी नवाचार और प्रोसेसिंग यूनिट्स से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य गांवों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाना है। इसके लिए कृषि, पशुपालन, डेयरी, सहकारिता और स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद पर बोनस, किसान सम्मान निधि, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना, मंगला पशु बीमा योजना, मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट और दुग्ध उत्पादक संबल योजना जैसी योजनाएं किसानों और पशुपालकों को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय पैदावार के अनुरूप गांवों में प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होने से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही किसानों को फलदार वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने इसे आय वृद्धि और पर्यावरण संरक्षण दोनों के लिए उपयोगी बताया। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वरोजगार और रोजगार के लिए ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रही है तथा राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश समझौते धरातल पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित कर युवाओं के विश्वास को मजबूत किया गया है। कड़ैल गांव के 13 युवाओं को सरकारी सेवाओं में चयनित होना गांव के लिए गौरव का विषय है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील किसानों और युवाओं से संवाद किया। जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई, फव्वारा सिंचाई और सोलर पंप जैसी योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। आरएएस परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कुशल चौधरी सहित चयनित युवाओं ने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने रविवार रात कार्यक्रम के पश्चात गांव में रात्रि विश्राम किया तथा ग्रामीण परिवार के साथ भोजन कर आत्मीयता का संदेश दिया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

किसान आंदोलन की जीत का श्रेय कांग्रेस को देने पर भड़के किसान पूर्व सीएम हुड्डा का पुतला फूंका

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह द्वारा तीन कृषि कानूनों की वापसी का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को देने के विरोध में भारतीय किसान एकता (बीकेई) के बैनर तले किसानों ने सोमवार को सिरसा में रोष प्रदर्शन कर भूपेंद्र सिंह हुड्डा का पुतला फूंका। किसानों ने कहा कि आंदोलन का श्रेय कांग्रेस को देना बलिदानी किसानों का अपमान है। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए किसान नेता लखविंद्र सिंह औलख ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीनों काले कृषि कानूनों के खिलाफ देशभर के किसानों ने ऐतिहासिक संघर्ष किया। 378 दिनों तक किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, हजारों किसानों पर मुकदमे दर्ज किए गए तथा लगभग 750 किसानों ने अपनी शहादत दी।

पंजाब में निकाय चुनाव का एलान, आठ निगमों 76 परिषदों व 21 नगर पंचायतों में 26 मई को मतदान

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों का एलान हो गया है। राज्य चुनाव आयोग ने राज्य में 8 नगर निगमों, 76 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों (कुल 105) के सदस्यों के आम चुनाव करवाने के लिए सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। राज्य चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में चुनाव कार्यक्रम जारी किया। कार्यक्रम के अनुसार इन चुनावों के लिए उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 13 मई (बुधवार) को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 मई (शनिवार) होगी। ये नामांकन नियुक्त रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18 मई (सोमवार) को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 19 मई (मंगलवार) दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है। सभी नामांकन पत्रों के साथ शपथ पत्र संलग्न होना अनिवार्य होगा तथा यदि किसी उम्मीदवार को किसी राजनीतिक दल ने प्रायोजित किया है, तो संबंधित राजनीतिक दल का प्राधिकरण पत्र भी साथ देना होगा। उम्मीदवारों के केवाईसी विवरण जिलों की

वेबसाइटों पर अपलोड किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव 26 मई (मंगलवार) को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक करवाए जाएंगे। मतदान के बाद मतों की गिनती 29 मई (शुक्रवार) को मतगणना केंद्रों में की जाएगी। पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या 36,72,932 है, जिनमें 18,98,990 पुरुष, 17,73,716 महिलाएं और 226 अन्य मतदाता शामिल हैं। इन चुनावों के लिए जिलों में 3977 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। नगर निगम के उम्मीदवार के लिए आयोग ने निर्धारित खर्च सीमा 4,00,000 रुपए रखी है, जबकि नगर परिषद वर्ग-वन के लिए 3,60,000 रुपए, वर्ग-टू के लिए 2,30,000 रुपए, वर्ग-थ्री के लिए 2,00,000 रुपए तथा नगर पंचायत के लिए 1,40,000 रुपए निर्धारित किए गए हैं। चुनाव ड्यूटी पर लगभग 36,000 चुनाव कर्मचारी तथा 35,500 पुलिस कर्मियों की तैनाती की जाएगी। प्रत्येक जिले में आईएएस/पीसीएस अधिकारियों को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जाएगा ताकि निष्पक्ष निगरानी सुनिश्चित की जा सके। जिला मजिस्ट्रेट की समग्र निगरानी में जिला सुरक्षा योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि आयोग ने चुनावों को निष्पक्ष, स्वतंत्र और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने हेतु सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के उन क्षेत्रों में जहां चुनाव होने जा रहे हैं, आदर्श चुनाव आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। यह आचार संहिता चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने तक लागू रहेगी।

तीन फीट के दूल्हा दुल्हन की जोड़ी अनोखी, बने जीवनसाथी

कैथल (हिंस)। कैथल के गांव चंदाना में एक अनोखी शादी इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। करीब 26 वर्षीय विक्रम, जिनका कद लगभग तीन फीट है, का विवाह जींद जिले के गांव हाट निवासी प्रियंका के साथ पूरे रीति-रिवाज के साथ संपन्न हुआ। खास बात यह रही कि दूल्हा-दुल्हन दोनों का कद लगभग समान है, जिस कारण यह शादी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। विक्रम के कम कद के कारण लंबे समय तक उनका रिश्ता नहीं हो पाया था। परिवार ने अपनी जाति में कई जगह प्रयास किए, लेकिन बात नहीं बन सकी। इसी बीच रिश्तेदारों की मदद से जींद के गांव हाट में प्रियंका का रिश्ता सामने आया, जिनका कद भी विक्रम के बराबर था। इसके बाद दोनों परिवारों की सहमति से रिश्ता तय हुआ और पारंपरिक तरीके से विवाह कर दिया गया। सीमित लोगों के साथ बारात जींद पहुंची, जहां विवाह की सभी रस्में पूरी की गईं। जब विक्रम अपनी दुल्हन को लेकर गांव चंदाना पहुंचे तो परिवार और ग्रामीणों ने नवविवाहित जोड़े का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान कोई नवदंपति के साथ सेल्फी लेता नजर आया तो कोई

उन्हें आशीर्वाद देता दिखा। शादी के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग भी इस जोड़ी को शुभकामनाएं दे रहे हैं। विक्रम ने बताया कि वह जागरण मंडली में काम करता है और इस रिश्ते को भगवान की बनाई जोड़ी मानता है। उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्नी प्रियंका के साथ खुशहाल जीवन बिताएंगे। वहीं, उनके पिता दर्शन लाल ने बेटे की शादी पर खुशी जताते हुए कहा कि परिवार में नए सदस्य के आने से घर में खुशियां बढ़ गई हैं।

ट्रैफिक से राहत की उम्मीद पर सवाल 39 करोड़ की परियोजना जांच के घेरे में

किशनगंज (हिंस)। जिले में ठाकुरगंज शहर को ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए बनाई जा रही बहुप्रतीक्षित बायपास सड़क अब निर्माण गुणवत्ता को लेकर विवादों में घिर गई है। सड़क निर्माण विभाग (आरसीडी) मद से लगभग 39 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रही इस परियोजना के पुल निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर सोमवार को स्थानीय ग्रामीणों ने नाराजगी जताई। निर्माण स्थल पर पहुंचे ग्रामीणों ने कार्य में इस्तेमाल हो रही सामग्री पर गंभीर सवाल उठाए। स्थानीय निवासी मु. शब्बीर, मुख्तार, औरंगजेब समेत अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि पुल निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार निर्माण में पीली बालू के बजाय स्थानीय बालू का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही पुल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में ओपीसी सीमेंट की जगह पीपीसी सीमेंट का उपयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि ठाकुरगंज लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहा है। बाजार क्षेत्र में अक्सर घंटों जाम लगने से आम लोगों, व्यवसायियों और स्कूली बच्चों को परेशानी होती है। ऐसे में इस बायपास परियोजना से लोगों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन शुरुआती चरण में ही गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों ने चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यदि निर्माण कार्य में अभी से लापरवाही बरती गई तो भविष्य में सड़क और पुल की मजबूती प्रभावित हो सकती है। लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपए की इस परियोजना में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह ठाकुरगंज के विकास और भविष्य से जुड़ा मामला है। इधर, सड़क निर्माण विभाग के एसडीओ गोपाल मंडल ने कहा कि संवेदक को गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि निर्माण स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। विभाग का दावा है कि कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। हालांकि ग्रामीण विभागीय आश्वासनों से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने निर्माण सामग्री की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराने की मांग की है और कहा है कि वे आगे भी निर्माण कार्य की निगरानी करते रहेंगे।

काशी और सोमनाथ भारतीय सभ्यता के दो अमर स्वर : आनंदीबेन पटेल

सनातन केवल मंदिरों की दीवारों में ही नही, अपितु भारत की चेतना में : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर सोमवार को वाराणसी पहुंचे। पुलिस लाइन हेलीपैड से उनका काफिला काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचा। दोनों विशिष्टिजनों ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के त्रयंबकेश्वर सभागार में आयोजित सोमनाथ संकल्प पूजन कार्यक्रम में भी दोनों राजनेता शामिल हुए। यहां बीएचयू के छात्रों द्वारा तैयार सोमनाथ की प्रतिकृति पार्थिव ज्योतिर्लिंग की स्थापना कर जलाभिषेक और पूजन भी किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि *सोमनाथ स्वाभिमान पर्व* हमें उस दिव्य सोमनाथ मंदिर की हजार वर्षों की अविचलित यात्रा का स्मरण कराता है, जिसने अनेक आक्रमणों, संघर्षों और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपनी आस्था, ऊर्जा और अस्तित्व को अक्षुण्ण बनाए रखा। सोमनाथ राष्ट्र के स्वाभिमान का ज्योति-स्तंभ है और आज, उसी गौरवगाथा की श्रृंखला में बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर की पावन धरती पर यह ज्योतिर्लिंग कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। यह संयोग नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की अद्भुत आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि काशी और सोमनाथ भारतीय सभ्यता के दो अमर स्वर हैं। एक ने समुद्र की लहरों के मध्य आस्था का दीप जलाए रखा, तो दूसरे ने गंगा की अविरल धारा के साथ ज्ञान, मोक्ष और अध्यात्म का संदेश संपूर्ण विश्व को दिया। जब सोमनाथ की घंटियां और काशी की आरती एक साथ गूंजती हैं, तब ऐसा प्रतीत होता है मानो संपूर्ण भारत अपनी सनातन आत्मा का उद्घोष कर रहा हो। उन्होंने कहा कि धर्म का प्रकाश कभी बुझता नहीं, सत्य का सूर्य कभी अस्त नहीं होता। यह मंदिर हमें सिखाता है कि विनाश की आयु क्षणभंगुर होती है, पर सृजन सनातन होता है। आक्रमणकारी तलवारें समय के गर्त में विलीन हो जाती हैं, किंतु संस्कृति की चेतना शाश्वत रहती है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक समृद्धि, भौतिक संसाधनों या तकनीकी प्रगति में नहीं होती, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक स्मृति और आध्यात्मिक आधार में निहित होती है। जब कोई समाज अपनी आस्था से जुड़ा रहता है, अपनी जड़ों को पहचानता है और

अपनी विरासत के प्रति सम्मान एवं सजगता बनाए रखता है, तभी उसकी सभ्यता दीर्घकाल तक जीवंत और सशक्त बनी रहती है। राज्यपाल ने कहा कि यह नया भारत आत्मगौरव से भरा हुआ भारत है। यह नया भारत अपनी विरासत पर गर्व करने वाला भारत है। महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सोमनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम दोनों ही भारत के इतिहास और सनातन संस्कृति की अदम्य शक्ति के प्रतीक हैं। सनातन संस्कृति पर आक्रमण तो हो सकते हैं, लेकिन उसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता। विनाश क्षणिक होता है, जबकि सृजन शाश्वत होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन व प्रेरणा देशवासियों को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से हम सब एक भारत, श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार होते देख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सब जानते हैं मोहम्मद गोरी से लेकर मुगलों तक, कई विदेशी आततायियों ने हमारी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पहचान को नष्ट करने का प्रयास किया। औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर एक गुलामी का ढांचा भी यहां खड़ा किया, लेकिन वो भारत की आत्मा को तोड़ नहीं पाए। वो नहीं समझ पाए, सनातन केवल मंदिरों की दीवारों में ही नही, अपितु भारत की चेतना में बसता है और भारत की चेतना, आत्मा को अजर, अमर मानकर चलती है, यही भारत की अजरता, अमरता का शास्वत शंखनाद भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक विरासत में हम सबके सामने झलकती है। जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वह स्वयं मिट्टी में मिल चुके हैं। आज उन आक्रांताओ का नाम लेने वाला कोई नहीं है, लेकिन काशी विश्वनाथ धाम हो या सोमनाथ महादेव का मंदिर ये दोनों भारत के स्वाभिमान की गाथा को आगे ब ?ा रहे हैं। इससे पूर्व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों का स्वागत पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने किया। इस अवसर पर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति हुई सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा के अवसर पर *सोमनाथ संकल्प महोत्सव* कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पहुंचे। यहां बाबा के दरबार में उन्होंने दर्शन-पूजन किया। सोमनाथ तथा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अर्चकों ने एक साथ पूजन-अर्चन संपन्न कराया। राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने सोमनाथ से आए जल से काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया और बाबा के दरबार में माथा टेक कर लोकमंगल व प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में राज्यपाल को अंगवस्त्र व रुद्राक्ष की माला भेंट की। मंदिर प्रांगण में पीत वस्त्र धारण किए मंदिर के शास्त्रीगण, बालिकाओं/महिलाओं ने शंख ध्वनि तथा वाद्य यंत्र कलाकारों ने डमरू आदि के जरिए राज्यपाल व मुख्यमंत्री का स्वागत किया। राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने हर हर महादेव की जयकार संग हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया।

वैश्विक संकटों के बावजूद अर्थव्यवस्था की मजबूत उड़ान वित्त वर्ष 2026-27 में 6.6% जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

नई दिल्ली

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अपना लचीलापन दिखा रही है। स्टेट बैंक आफ इंडिया (एसबीआई) की हालिया रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पश्चिमी एशिया के संकट और अन्य बाहरी अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू खपत और मजबूत आर्थिक बुनियाद देश को विकास के पथ पर लगातार आगे बढ़ा रही है।

खपत और विकास दर का मजबूत आधार - पिछले वित्त वर्ष के लिए जीडीपी विकास दर 7.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जिसमें चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी विकास दर 7.2 प्रतिशत के करीब रह सकती है। उच्च आवृत्ति वाले आर्थिक आंकड़े यह दर्शाते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद विकास की गति मजबूत बनी हुई है। भारतीय स्टेट बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. सौम्य कांति घोष के अनुसार, कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों से मिलने वाले सकारात्मक संकेतों के कारण ग्रामीण खपत काफी मजबूत बनी हुई है। इसके साथ ही, राजकोषीय प्रोत्साहन के समर्थन से शहरी खपत में भी पिछले त्योहारी सीजन के बाद से लगातार तेजी देखी जा रही है, जो आर्थिक वृद्धि को सहारा दे रही है।

बैंक क्रेडिट ग्रोथ में शानदार उछाल - अर्थव्यवस्था में मांग और खपत बढ़ने का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर के क्रेडिट (ऋण) वितरण पर पड़ा है। वित्त वर्ष 2026 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की क्रेडिट ग्रोथ बढ़कर 16.1 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 11.0 प्रतिशत के स्तर पर थी। कुल वृद्धिशील ऋण वृद्धि 29.5 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें सरकार द्वारा जीएसटी के माध्यम से खपत को दिए गए प्रोत्साहन के कारण दूसरी छमाही में 24.5 लाख करोड़ रुपये का भारी ऋण वितरण शामिल था। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में क्रेडिट ग्रोथ मजबूत बनी रहेगी, लेकिन उच्च आधार प्रभाव के कारण दूसरी छमाही में इसमें मामूली गिरावट आ सकती है, जिससे पूरे वर्ष के लिए ऋण वृद्धि 13 से 14 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

हीरो मोटोकार्प इलेक्ट्रिक स्कूटर का जल्द आएगा सस्ता माडल

नई दिल्ली। हाल के महीनों में हीरो मोटोकार्प कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटरों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है, जिससे बाजार में उसकी पकड़ मजबूत हुई है। बिक्री के हालिया आंकड़ों पर नजर डाले तो कंपनी ने कई प्रतिस्पर्धी कंपनियों को पीछे छोड़ते हुए बेहतर प्रदर्शन किया है। सीमित माडलों के बावजूद ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी ने यह साफ कर दिया है कि लोग अब केवल कम कीमत ही नहीं बल्कि बेहतर तकनीक और विश्वसनीयता को भी महत्व देने लगे हैं। यही वजह है कि कंपनी अब अपने उत्पादन और उत्पादों के विस्तार पर तेजी से काम कर रही है। बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने वर्ष 2027 तक उत्पादन क्षमता को लगभग दोगुना करने की योजना बनाई है। इसके तहत उत्पादन को करीब 2.80 लाख इकाई तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए निर्माण संयंत्रो का विस्तार किया जाएगा ताकि ग्राहकों को समय पर डिलीवरी मिल सके और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। कंपनी अगस्त 2026 तक एक नया किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर लान्च करने की तैयारी में है। इसमें लगभग 3.8 किलोवाट-घंटा क्षमता की बैटरी मिलने की संभावना है और इसकी कीमत एक लाख रुपये से कम रखी जा सकती है। यह माडल खासतौर पर मध्यम वर्ग और छोटे शहरों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। कंपनी ने बैटरी सेवा माडल की शुरुआत भी की है, जिसके तहत ग्राहक बैटरी को किराये पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे स्कूटर की शुरुआती कीमत काफी कम हो जाती है और ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए आकर्षित हो रहे हैं।

नई एडवेंचर टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 हो रही लोकप्रिय

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टीवीएस मोटर की नई एडवेंचर टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यह मोटरसाइकिल प्रीमियम बाइक सेगमेंट में लगातार ग्राहकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। हाल ही में किए गए टैंक-टू-टैंक माइलेज टेस्ट में इस बाइक ने फुल टैंक पर शानदार दूरी तय की। टीवीएस अपाचे आरटीएक्स 300 में कंपनी का नया आरटी-एक्सडी4 इंजन दिया गया है। यह पूरी तरह नया 310 सीसी इंजन है, जिसे खास तौर पर टूरिंग और लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बाइक में 12.5 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है। हालांकि इसका टैंक आकार में छोटा माना जा रहा था, लेकिन माइलेज टेस्ट के बाद इसकी क्षमता ने सबको चौंका दिया। माइलेज टेस्ट के दौरान बाइक का टैंक पूरी तरह भरकर लगभग 391 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इसके बाद दोबारा टैंक फुल करने पर पता चला कि बाइक ने 9.65 लीटर पेट्रोल खर्च किया। इस हिसाब से बाइक का औसत माइलेज करीब 40.5 किलोमीटर प्रति लीटर रहा। टेस्ट के दौरान बाइक को हाईवे पर करीब 85 किलोमीटर प्रति घंटे की स्थिर गति से चलाया गया और क्रूज कंट्रोल का इस्तेमाल किया गया।

टाटा पंच ने पीछे छोड़ा नेक्सन और ब्रेजा जैसी एसयूवी को

नई दिल्ली। बीते महीने अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में टाटा पंच ने सभी बड़ी एसयूवी को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, टाटा पंच को पिछले महीने कुल 19,107 नए ग्राहक मिले, जो सालाना आधार पर करीब 52.9 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्शाता है। इतना ही नहीं, यह देश की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली कार भी बन गई। बिक्री के मामले में दूसरे स्थान पर मारुति सुजुकी फ्रोंक्स रही, जिसकी 18,829 यूनिट बिकीं। फ्रोंक्स की बिक्री में भी 31.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं तीसरे नंबर पर टाटा नेक्सन रही, जिसने 18,126 यूनिट की बिक्री के साथ 17.3 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। चौथे स्थान पर मारुति सुजुकी ब्रेजा रही, जिसकी 14,124 यूनिट ग्राहकों तक पहुंचीं। हुंडई वेन्यू ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 56.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 12,420 यूनिट बेचीं। इसके अलावा किया सोनेट, हुंडई एक्सटर और महिंद्रा एसयूवी 3एक्सओ भी बिक्री सूची में शामिल रहीं।

पेंशन अब म्यूचुअल फंड जितनी आसान : यूपीआई से खुलेगा खाता, मिलेगा बुढ़ापे को डबल कवर

नई दिल्ली

अब से ठीक 10 साल बाद यानी 2036 में भारत की तस्वीर बदल चुकी होगी। तब तक देश में बुजुर्गों की आबादी 20 करोड़ को पार कर जाएगी। साल 2011 की तुलना में यह दोगुनी होगी। परिवार छोटे हो रहे हैं और औसत उम्र बढ़ रही है। ऐसे में सवाल सिर्फ आज की कमाई का नहीं, बल्कि उस वक्त की आर्थिक गरिमा का है, जब हाथ-पैर काम करना बंद कर देंगे। पेंशन म्यूचुअल फंड नहीं है। अक्सर हम इन दोनों को एक ही तराजू में तौलते हैं लेकिन पेंशन का मकसद एटीएम से पैसा निकालना नहीं, बल्कि एक सुरक्षित भविष्य के लिए लोहे की दीवार खड़ी करना है। एनपीएस को आम आदमी के लिए सरल व सुलभ बनाने के लिए पीएफआरडीए पेंशन क्षेत्र में बड़े बदलाव करने जा रहा है।

एनपीएस संचय बनेगा सरल निवेश विकल्प

एनपीएस संचय उन निवेशकों के लिए डिजाइन किया गया है जो फंड मैनेजर या एसेट एलोकेशन (इक्विटी, सरकारी बान्ड या कारपोरेट बान्ड) चुनने की जटिलता में नहीं पड़ना चाहते। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें निवेश का एक निश्चित ढांचा होगा जैसा कि 2004 से सरकारी कर्मचारियों के लिए चल रहा है। यह स्कीम उन लोगों के लिए है जिन्हें एसेट एलोकेशन की समझ नहीं है लेकिन वे एक सुरक्षित उत्पाद चाहते हैं, जो अच्छा मार्केट रिटर्न दे सके। पिछले 15 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार इस ढांचे ने लगभग 9.5% का औसत वार्षिक रिटर्न दिया है, जो कई अन्य सरकारी बचत योजनाओं और बैंक एफडी से काफी अधिक है।

यूपीआई से खुलेगा खाता

पेंशन को उतना ही सरल बनाने की कोशिश की जा रही है, जितना सरल एक बैंक खाता खोलना या यूपीआई पेमेंट करना है। इसके लिए अगले 30 दिनों के भीतर दो बड़े डिजिटल प्लेटफार्म लान्च होने की उम्मीद है। भीम इंटरफेस पर यूपीआई के माध्यम से आप मात्र दो क्लिक में अपना एनपीएस खाता खोल सकेंगे। यदि आपका किसी बैंक (जैसे एसबीआई) में पहले से बचत खाता है, तो यूपीआई एप आपके बैंक के माध्यम से ही आपकी केवाईसी जानकारी प्राप्त कर लेगा। आपको अलग से कागजी कार्रवाई करने की जरूरत नहीं होगी। खाता खुलने के बाद आप यूपीआई के जरिये कभी भी और कितनी भी बार आसानी से पैसा जमा कर पाएंगे।

स्टार एनपीएस से बढ़ेगी पहुंच

यह प्लेटफार्म बीएसई स्टार के साथ मिलकर बनाया गया है। इसके माध्यम से सभी गैर-बैंक डिस्ट्रीब्यूटर्स और यहां तक कि ग्रामीण स्तर पर काम करने वाली प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को भी पेंशन एजेंट बनाया जा सकेगा। इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों के साथ-साथ सुदूर गांवों तक एनपीएस की पहुंच आसान हो जाएगी।

यह क्यों महत्वपूर्ण है

वर्तमान में म्यूचुअल फंड में कमीशन (ट्रेल कमीशन) लगभग 1.5% के करीब है, जबकि एनपीएस में यह बहुत कम है। डिजिटल वितरण से न केवल लागत कम होगी, बल्कि उन 50 करोड़ लोगों तक पहुंचना भी मुमकिन होगा, जो वर्तमान में किसी भी पेंशन दायरे से बाहर हैं।

पेंशन + स्वास्थ्य: बुढ़ापे का डबल कवर

पेंशन सेक्टर का सबसे क्रांतिकारी बदलाव पेंशन-स्वास्थ्य खाता होने वाला है। एक प्रूफ आफ कान्सेप्ट पर काम चल रहा है। इसमें आपके पेंशन फंड का एक हिस्सा स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित होगा। यह एक टाप-अप इंश्योरेंस की तरह काम करेगा। अस्पताल के खर्च का पहला हिस्सा आपके स्वास्थ्य खाते से जाएगा और बाकी का 5 लाख तक का कवर इंश्योरेंस कंपनी देगी। इसका प्रीमियम बहुत कम होगा क्योंकि यह एक ग्रुप पालिसी की तरह काम करेगा।

एनपीएस अब पहले से कहीं ज्यादा लचीला है

पहले 60% पैसा निकाल सकते थे और 40% की एन्युटी (पेंशन) लेना अनिवार्य था। अब इसे बदलकर 80-20 कर दिया गया है। यानी अब आप मैच्योरिटी पर अपनी जमा राशि का बड़ा हिस्सा अपने पास रख सकते हैं। यदि आपका कुल कार्पस 5 लाख रुपये तक है, तो आप इसे कभी भी निकाल सकते हैं। 15 साल के लाक-इन का डर अब खत्म हो गया है। आप 75 साल की उम्र तक अपनी एन्युटी को टाल सकते हैं, तब तक आपका पैसा बाजार के रिटर्न के साथ बढ़ता रहेगा।

कार खरीदते समय इन बातों का रखेंगे ध्यान, तो बचेंगे नुकसान से

नई दिल्ली

कार खरीदते समय केवल माडल और कीमत ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ी अन्य सेवाओं और शर्तों को भी समझना जरूरी है। कार खरीदते समय सबसे बड़ी गलती लोग इंश्योरेंस को लेकर करते हैं। अधिकांश ग्राहक सुविधा के लिए शोरूम से ही बीमा करवा लेते हैं, लेकिन डीलर कई बार बाजार दर से ज्यादा प्रीमियम वसूल लेते हैं।

ऐसे में कार फाइनल करने के बाद आनलाइन प्लेटफार्म और अलग-अलग कंपनियों की कीमतों की तुलना करना फायदे का सौदा हो सकता है। इससे ग्राहक हजारों रुपये तक बचा सकते हैं। इसके अलावा एक्सेसरीज के नाम पर भी ग्राहकों से अतिरिक्त पैसे वसूले जाते हैं। शोरूम अक्सर महंगे पैकेज आफर करते हैं, जिनमें कई गैरजरूरी सामान शामिल होते हैं।

विशेषज्ञों की सलाह है कि केवल जरूरी चीजें जैसे फ्लोर मैट, सीट कवर और मड फ्लैप ही लें, जबकि बाकी एक्सेसरीज बाजार से कम कीमत में लगवाई जा सकती हैं। कार की आन-रोड कीमत में कई तरह के छिपे हुए चार्ज भी जोड़े जाते हैं। इनमें हैंडलिंग चार्ज, प्रोसेसिंग फीस और डिलीवरी शुल्क जैसे खर्च शामिल हो सकते हैं। ग्राहकों को शोरूम से पूरा कोटेशन मांगना चाहिए और गैरजरूरी शुल्क हटाने के लिए कहना चाहिए। लोन लेते समय भी जल्दबाजी से बचना जरूरी है। ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस और प्री-पेमेंट पेनाल्टी जैसी शर्तों को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

साथ ही डिलीवरी लेने से पहले गाड़ी की पूरी जांच करना भी बेहद जरूरी है ताकि किसी तरह की खरोंच, खराबी या ज्यादा चली हुई कार ग्राहक को न थमा दी जाए। मालूम हो कि देश में कार अब केवल शौक नहीं बल्कि जरूरत बन चुकी है और लगभग हर परिवार अपनी सुविधा के लिए कार खरीदना चाहता है। ऐसे में पहली बार कार खरीदने वाले लोगों के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च बढ़ा सकती है।

पृष्ठ तीन का शेष

हिमंत की दूसरी शपथ...

प्रतिनिधित्व होने की उम्मीद है। समारोह के बाद, मंगलवार की ओर से नई सरकार की पहले 100 दिनों की प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करने की उम्मीद है, जिसमें भूमि अधिकारों और बेदखली अभियानों से संबंधित प्रतिबद्धताएं शामिल हैं। जैसे-जैसे खानापाड़ा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह समारोह केवल एक शपथ से कहीं अधिक होगा। यह असम के अगले पांच वर्षों के लिए भाजपा का इरादा पत्र होगा। मंगलवार पहले ही कह चुके थे कि नई सरकार विकास कार्यों को अंजाम देगी और असम को आगे ले जाएगी। सोमवार को उन्होंने एक्स पोस्ट पर में लिखा कि असम की भूमि, पहचान और भविष्य पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। 1.5 लाख बीघा भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के बाद, एडीए3.0 असम के लोगों के लिए 5 लाख बीघा और भूमि वापस दिलाने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। क्योंकि हमारे लिए जाति, माटी, भेटी सर्वोपरि हैं। भाजपा असम के मीडिया संबंध संयोजक ध्रुबज्योति मारल ने बताया कि राज्य के प्रमुख समारोहों के लिए इस्तेमाल होने वाले खानापाड़ा का चयन सरकार के संवैधानिक समारोह के साथ-साथ एक विशाल जनसभा आयोजित करने के इरादे का संकेत देता है। सभी 126 निर्वाचन क्षेत्रों से कार्यकर्ताओं को जुटाया गया है, इसलिए भीड़ का आकार विजय के बाद के उत्साह का एक मापक होगा। उन्होंने कहा कि सभी 126 निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को जुटाया जा रहा है और इस कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि असम के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार को विधायक दल का नेता घोषित किया था। इसके बाद उन्होंने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मिलकर सरकार गठन का दावा पेश किया। रविवार देर शाम राज्यपाल ने डॉ. हिमंत विश्व मंगलवार को असम के नए मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया। डॉ. मंगलवार मंगलवार को दोपहर 12 बजे खानापाड़ा वेटरिनरी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कार्यक्रम स्थल पर विशाल पंडाल तैयार किए जा रहे हैं और सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

पार्टी घोषणापत्र...

से हिमंत विश्व मंगलवार को मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया। राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंगलवार को इस पद पर नियुक्त किया। मंगलवार 12 मई, 2026 को सुबह 11:40 बजे गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में शपथ ग्रहण करेंगे। 11 मई को मंगलवार ने राज्यपाल आचार्य से मुलाकात की और असम में भाजपा और एनडीए दोनों विधानसभा दलों के नेता चुने जाने के बाद औपचारिक रूप से सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने X पर एक पोस्ट में अपनी नियुक्ति की पुष्टि करते हुए बताया कि शपथ ग्रहण समारोह गुवाहाटी में होगा। विधानसभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा नेतृत्व को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि सरकार अगले पांच वर्षों में विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी।

शपथ ग्रहण : छावनी...

औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री नियुक्त किया। इस संबंध में असम सरकार के संसदीय कार्य विभाग द्वारा अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 164 की धारा (1) के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डॉ. मंगलवार को असम का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन की प्रचंड जीत के बाद डॉ. मंगलवार ने नई सरकार गठन का दावा पेश किया था। मुख्य सचिव डॉ रवि कोटा द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना को संवैधानिक प्राधिकरणों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया है। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर पूरे शहर में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

भाजपा अध्यक्ष से...

उद्योगपति, विदेशी राजनयिक, सत्राधिकार तथा बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समेत अधिकांश विशिष्ट अतिथि सोमवार रात तक गुवाहाटी पहुंच जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार का नियमित प्रशासनिक कार्य बुधवार से शुरू हो जाएगा और चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों के अनुरूप सरकार काम करेगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेतृत्व वाले राजग ने 126 सदस्यीय असम विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करते हुए सत्ता में वापसी की है। भाजपा ने 82 सीटें जीती हैं, जबकि सहयोगी दल असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट को 10-10 सीटें मिली हैं।

सोने की खरीदारी ...

हम सोने की जिम्मेदारी से खपत करने संबंधी प्रधानमंत्री की अपील को समझते हैं। यह बढ़ते आयात और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव की व्यापक राष्ट्रीय चिंता को दर्शाती है। लेकिन भारत में पहले से ही हजारों टन सोना घरों में रखा हुआ है। ऐसे में समाधान केवल सोने की मांग घटाने में नहीं, बल्कि स्वर्ण मौद्रीकरण योजना (जीएमएस) के जरिये मौजूदा सोने के उपयोग में है। रोकड़े ने कहा कि अतीत में इस तरह के मामलों में *रिवेंज बाइंग* यानी प्रतिबंध के बाद अधिक खरीद की स्थिति भी देखी गई है, जिससे आगे चलकर सोने की मांग बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा क्षेत्र (बीएफएसआई), खुदरा, ई-कॉमर्स, आभूषण डिजाइनिंग और लॉजिस्टिक जैसे संबद्ध क्षेत्रों पर भी इसका असर पड़ेगा। इसलिए हम सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हैं। जीजेसी के उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता ने कहा कि सोने का भारतीय परिवारों से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव है, लेकिन वर्तमान में आर्थिक स्थिरता के साथ मांग का संतुलन भी जरूरी है। गुप्ता ने कहा कि आभूषण उद्योग का मानना है कि एक मजबूत एवं पारदर्शी स्वर्ण मौद्रीकरण योजना भारत के लिए दीर्घकालिक समाधान हो सकती है। इस योजना के जरिये घरों और लॉकर में रखे निष्क्रिय सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाया जा सकता है। इससे आयात घटेगा, चालू खाते के घाटे (सीएडी) पर दबाव कम होगा और वित्तीय प्रणाली मजबूत होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोना खरीद और विदेशी यात्रा टालने समेत कई उपाय सुझाए थे, ताकि पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा की बचत की जा सके।

राज्य के 10...

राज्य सरकार सपने देखने वाले और रोजगार सृजित करने वाले युवाओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब 12 मई को नई असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चल रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मंगलवार नई एनडीए कैबिनेट के साथ शपथ लेंगे। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

दुनिया की कोई ...

ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था, क्योंकि शिव और शक्ति की आराधना भारत की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि यही विचार देश की वैज्ञानिक प्रगति का भी प्रेरणास्रोत बना। मोदी ने कहा कि सोमनाथ अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं, बल्कि अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का पर्व है। उन्होंने कहा कि 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद 1951 में सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के समय सरदार वल्लभभाई पटेल ने 500 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर आधुनिक भारत की नींव रखी और सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के जरिए दुनिया को संदेश दिया कि भारत केवल स्वतंत्र ही नहीं हुआ, बल्कि अपनी प्राचीन गौरवशाली विरासत को पुनर्स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में महमूद गजनवी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे कई आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर को नष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन यह मंदिर हर बार फिर खड़ा हो गया। मोदी ने कहा कि आक्रांता भारत की वैचारिक शक्ति को समझ नहीं सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उन्हें मंदिर और क्षेत्र की सेवा का अवसर मिला और अब देशभर के तीर्थ स्थलों के विकास का जो अवसर मिल रहा है, वह भगवान सोमनाथ की कृपा है। उन्होंने लोगों से प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करने वाली जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि तीर्थों और मंदिरों के विकास के साथ उनकी गरिमा बनाए रखना भी आवश्यक है।

पंजाब में सीएम ...

की आलोचना की है, विशेष रूप से पंजाब में आई बाढ़ से निपटने के तरीके की, और दावा किया है कि प्रशासनिक विफलताओं ने जनता की पीड़ा को और बढ़ा दिया। एक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने अक्सर सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों का उपयोग करके सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों पर सवाल उठाए हैं, और अक्सर ऐसे रुख अपनाए हैं जो पार्टी के आधिकारिक रुख के विपरीत थे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उनके इस निर्णय से भाजपा को शासन और आंतरिक मामलों को लेकर आम आदमी पार्टी प्रशासन पर हमले करने में और मजबूती मिलेगी। एक कार्यकर्ता और पूर्व आम आदमी पार्टी रणनीतिकार के रूप में, उन्होंने अक्सर महत्वपूर्ण सरकारी नीतियों पर सवाल उठाने के लिए सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों का इस्तेमाल किया, और अक्सर ऐसे रुख का समर्थन किया जो पार्टी की आधिकारिक स्थिति के विपरीत थे।

महिलाओं ने वोट...

अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। असम की महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया है। लेकिन असम में महिलाओं की सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा बनी हुई है। मुझे उम्मीद है कि असम पुलिस, भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने के बजाय, भविष्य में महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए बाध्य होगी। उनकी ये टिप्पणियां हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली नई असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले आईं, जो 12 मई को गुवाहाटी में होने वाला है। रविवार को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद नई सरकार का प्राथमिक लक्ष्य भाजपा के चुनाव घोषणापत्र को लागू करना होगा। असम सरकार के संसदीय कार्य विभाग की आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, शर्मा को भारत के संविधान के अनुच्छेद 164(1) के तहत मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को सुबह 11:40 बजे गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में होगा। पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि शपथ ग्रहण करने के बाद हम पहली मंत्रिमंडल बैठक करेंगे। हमारा लक्ष्य अपने घोषणापत्र को लागू करना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 मई को गुवाहाटी पहुंचेंगे और इस कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आज रात गुवाहाटी पहुंचेंगे। कल सुबह 11 बजे असम की नई सरकार शपथ लेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री इस समारोह में शामिल होंगे।

नेशंस कप को देखते हुए अभ्यास शिविर में तैयारी करेगी भारतीय महिला हाकी टीम

नई दिल्ली

भारतीय महिला हाकी टीम को अगले माह न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक एफआईएच नेशंस कप में खेलना है। इसके अलावा उसे ओलंपिक क्वालिफिकेशन की भी तैयारी करनी है। इसी को देखते हुए टीम ने एक अभ्यास शिविर लगाया है। ये इसी माह 20 मई तक चलेगा। गौरतलब है कि एफआईएच नेशंस कप जीतने वाली टीम को 2026-27 एफआईएच हाकी प्रो लीग में सीधे प्रवेश मिलेगा। इसके बाद, प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम को लास एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करने का अवस मिलेगा, जिससे भारतीय हाकी के लिए नेशंव कप काफी अहम है। इसके अलावा, टीम की नजरें अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हाकी महिला विश्व कप 2026 और जापान में सितंबर-अक्टूबर में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों पर भी लगी हैं।

मुख्य कोच शार्ड मारिन की देखरेख में आयोजित हो रहे इस शिविर में उन्हीं 31 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो अप्रैल के पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं। यह टीम प्रबंधन के निरंतर रवैये को दर्शाता है, जहां खिलाड़ियों की फिटनेस स्तर को और बेहतर बनाने, टीम संयोजन को मजबूत करने और तकनी कौशल में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुभवी और युवा प्रतिभा का यह मिश्रण भारतीय टीम की गहराई और लचीलेपन को दर्शाता है। गोलकीपिंग विभाग में अनुभवी सविता के साथ माधुरी किंडो, बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम मौजूद हैं,डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में सुशीला चानू, मनीषा चौहान, वैष्णवी फाल्के, नेहा, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो और इशिका जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। फारवर्ड लाइन में नवनीत कौर, दीपिका, लालरेमसियामी, मुमताज खान, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग, हिना बानो और संगीता कुमारी जैसी आक्रामक खिलाड़ी हैं, जिनसे गोल दागने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

वैभव को तीनों प्रारुपों में खेलते देखना चाहिते हैं अश्विन

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे 15 साल के उभरत हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भविष्य का सितारा है। अश्विन ने ये भी कहा कि वह इस युवा को तीनो प्रारुपों में खेलते हुए देखना चाहते हैं। अश्विन ने वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी शैली की सराहना करते हुए कहा, वह जिस प्राकर से सभी गेंदबाजों को निशाना बनाता है। उससे साफ है कि वह निडर है और किसी भी गेंदबाज को खेल सकता है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैभव में टेस्ट क्रिकेट खेलने की भी क्षमताएं हैं। अश्विन ने कहा, उसे टेस्ट में जगह मिलेगी तो प्रशंसक स्वयं मैच देखने आएंगे क्योंकि वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करता है। उन्होंने वैभव के अंडर-19 विश्व कप फाइनल के प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उसमें गेंद को पूरी ताकता से खेलने की क्षमताएं हैं। वहीं ये भी माना कि इतनी कम उम्र में वैभव पर जरुरत से अधिक दबाव न डाला जाये। अश्विन ने कहा कि उन्हें खुलकर क्रिकेट खेलने देना चाहिए। साथ ही कहा कि क्रिकेट करियर में बहुत कम मौके आते हैं जब आप बिना किसी दबाव के खेल का आनंद लेते हैं। वह अभी सिर्फ 15 साल का है। हमें उसे उसी तरह खेलने देना चाहिए।, अश्विन ने साथ ही कहा कि अभी उससे ऐसी चीजों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, जो उनके करियर की शुरुआत में जरुरी नहीं हैं। इस दिग्गज स्पिनर के अनुसार रॉयल्स के पास कई अनुभवी बल्लेबाज मौजूद हैं, इसलिए वैभव पर अकेले ही टीम की पूरी जिम्मेदार न डाली जाये। साथ ही कहा कि ध्रुव जुरेल, रियान पराग और डोनोवन फरेरा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। अश्विन का मानना है कि अगर वैभव टीम को अच्छी शुरुआत दिलाता है, तो राजस्थान को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिये।

आईसीसी महिला टी20 विश्वकप में बीसीबी को टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

ढाका। बांग्लादेश की महिला क्रिकेट टीम आगामी टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में निगार सुल्ताना जोटी की कप्तानी मे उतरेगी जबकि नाहिदा अख्तर को उपकप्तान बनाया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने 0 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरु होगा। इसमें दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमें उतरेंगी। बीसीबी का कहना है कि बांग्लादेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। बांग्लादेश टीम ने इस साल की शुरुआत से ही इसके लिए अभ्यास किया है। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, चाहे वह ग्रुप स्तर हो या सुपर सिक्स , टीम ने सभी मुकाबले जीते हैं उिससे वह उत्साहित है। इससे उसका विश्वकप के लिए मनोबल बढ़ा है। विश्व कप के मुख्य मुकाबले शुरू होने से पहले, बांग्लादेश की टीम अपनी तैयारियों को बेहतर करने के लिए 25 मई को स्काटलैंड और नीदरलैंड्स के बीच होने वाली त्रिकोणीय-सीरीज में भाग लेने एडिनबर्ग जाएगी।

आईपीएल 2026 : आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर जुर्माना, अंपायर से बहस करना पड़ा भारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर पर आचार संहिता उल्लंघन के चलते जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार एंडी फ्लावर ने खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस कारण उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। फ्लावर पर आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो मैच के दौरान आपत्तिजनक या अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल से संबंधित है। यह घटना मैच के 17.2 ओवर के दौरान हुई, जब एंडी फ्लावर चौथे अंपायर के साथ आक्रामक अंदाज में बातचीत करते नजर आए।

आस्ट्रेलिया ने पाक और बांग्लादेश दौरे के लिए टीमों का किया ऐलान, कई नए खिलाड़ियों को मिला मौका

पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड बाहर

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया ने मई-जून 2026 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला और बांग्लादेश दौरे के लिए अपनी सीमित ओवरों की टीमों का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी मिशेल मार्श करेंगे। इस दौरे के लिए कई नए खिलाड़ियों को मौका मिला है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को सभी टीमों से बाहर रखा गया है।

तेज गेंदबाज बिली स्टैनलेक और राइली मेरेडिथ की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। वहीं युवा खिलाड़ियों ओलिवर पीक, लियाम स्काट और जोएल डेविस को पहली बार आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पीक को केवल पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए चुना गया है, जबकि स्काट को बांग्लादेश दौरे की एकदिवसीय टीम में भी जगह मिली है। डेविस को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 टीम में मौका मिला है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में खेल रहे ट्रैविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट पाकिस्तान श्रृंखला के बाद बांग्लादेश दौरे के लिए टीम से जुड़ेंगे। ये खिलाड़ी क्रमशः ओलिवर पीक, बिली स्टैनलेक, राइली मेरेडिथ और मैट शार्ट की जगह लेंगे।

गौरतलब है कि एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके ग्लेन मैक्सवेल को टी20 टीम में भी जगह नहीं मिली है।

चयन समिति के अध्यक्ष जार्ज बेली ने कहा, नए खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मौका मिलते देखना हमेशा उत्साहजनक होता है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का यह मिश्रण उपमहाद्वीप के इन दौरों में टीम को संतुलन देगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे हैं हेल्स

लंदन। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जैसे छोटे प्रारुप में जहां कई खिलाड़ियों ने शतक लगाये हैं। वहीं कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो केवल एक रन से शतक नहीं लगा पाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 99 पर आउट होने वाले पहले बल्लेबाज इंग्लैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स थे। साल 2012 में नाटिंघम के मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले में हेल्स ने केवल 68 गेंदों में 99 रन रन बनाये। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और 4 छक्के लगाये थे पर वह अपना पहला शतक पूरा नहीं कर पाये। रवि रामपाल की एक गेंद पर वह आउट हो गये। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 99 पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी रहे हैं। वहीं 99 पर आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज डेनमार्क के हामिद शाह रहे हैं। साल 2022 में हामिद ने फिनलैंड के खिलाफ 68 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्के लगाकर 99 रन बनाए। हामिद भी 99 पर पहुंचकर आउट हो गये। साल 2024 में थाईलैंड के बैंकाक में सऊदी अरब के अब्दुल वहीद ने कंबोडिया के खिलाफ केवल 58 गेंदो में ही 99 रन बना दिये। इस पारी में में 9 शानदार चौके और 6 विशाल छक्के शामिल थे पर वह भी शतक से ठीक पहले आउट हो गये। इसके अलावा ओमान के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड्स के कप्तान स्काट एडवर्ड्स भी इसी प्रकार आउट हुएहुए। ओमान के खिलाफ उन्होंने 55 गेंदों में 99 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाये पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। ये चारों ही पारियों इन खिलाड़ियों के साथ ही क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी निराशाजनक रही। ये चारों घटनाएं इस बात साबित करती हैं कि क्रिकेट में कभी-कभी एक रन की दूरी भी बड़ी बन जाती है। भले ही ये बल्लेबाज अपने शतक नहीं लगा पाये पर उनकी ये 99 रन की पारियां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा याद की जाती रहेंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ आस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, राइली मेरेडिथ, ओलिवर पीक, मैथ्यू रेनशा, तनवीर संघा, लियाम स्काट, मैट शार्ट, बिली स्टैनलेक और एडम जाम्पा।

बांग्लादेश के खिलाफ आस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशा, तनवीर संघा, लियाम स्काट और एडम जाम्पा।

बांग्लादेश के खिलाफ आस्ट्रेलिया की टी20 टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जानसन, मैथ्यू कुह्नेमैन, राइली मेरेडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशा और एडम जाम्पा।

विराट के कारण बदली मेरे जिंदगी : जर्मन व्लागर लिजलैज

बर्लिन

जर्मनी की व्लागर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लिजलैज ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के कारण उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। विराट ने हाल ही में लिजलैज की एक तस्वीर को लाइक किया था हालांकि, उन्होंने कुछ ही मिनटों में इस तस्वीर को अनलाइक भी कर दिया था पर इतनी देर में ही विराट के इसे लाइक करने की बात फैल गयी थी।

इसका स्क्रीनशाट वायरल सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लिजलैज के नाम की धूम मच गयी। इसी के बाद व्लागर लिजलैज का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने विराट के तस्वीर को लाइक करने के बाद अपनी जिंदगी में आए भारी बदलावों के बारे में बताया है। लिजलैज ने कहा कि यह घटना उनके लिए बहुत ही अजीब थी। उन्होंने कहा, जैसे ही विराट ने मेरी तस्वीर लाइक की, मुझे कई लोगों से संदेश मिलने लगे। कई बड़े ब्रांड्स ने मुझे साझेदारी के भी प्रस्ताव देने शुरु कर दिये। मुझे कई वीडियो प्रोजेक्ट्स के प्रस्ताव मिले और कई रियलिटी शो में शामिल होने के लिए भी मुझसे संपर्क किया गया। कई लोगों ने मुझसे अपने साथ काम करने के लिए भी पूछा।

इस घटना के बाद, लिजलैज ने कहा यह बहुत अजीब था क्योंकि मैं सुबह उठी और मैंने देखा कि मैं हर जगह खबरों में थी। मुझे तो पता ही नहीं चला कि विराट ने कब मेरी तस्वीर को लाइक किया था, मुझे तो इस घटना के बारे में खबरों के जरिए ही पता चला। बहुत सारे लोगों ने मेरे बारे में अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर छपी खबरें ढूंढीं और मुझे सीधे मेरे संदेश भैजे। उस दिन मुझे सैकड़ों मैसेज मिले, लोग इस बात को लेकर बहुत उत्साहित थे। वहीं जब लिजलैज से कोहली द्वारा बाद में पोस्ट को अनलाइक करने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक दिलचस्प जवाब दिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा लगा! उन्होंने साथ ही कहा, मैं बहुत खुश थी कि उन्होंने मेरी तस्वीर को लाइक किया, लेकिन फिर जब उन्होंने इसे अनलाइक किया, तो मुझे उनके लिए थोड़ा बुरा महसूस हुआ, क्योंकि मुझे समझ नहीं आया कि यह इतनी बड़ी खबर कैसे बन गई।

जूनियर टेनिस टूर्नामेंट : रेयांश पटेल, मोहम्मद अली और शिवांश पाण्डेय मुख्य दौर में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित की जा रही प्योराश्योर आल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल क्वालिफाइंग राउण्ड में प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बालक 14 वर्ष आयु वर्ग के निर्णायक मुकाबलों में मध्यप्रदेश के रेयांश पटेल ने कड़े संघर्ष में महाराष्ट्र के सक्षम जैन को 9-7 से हराकर मुख्य दौर में प्रवेश किया। एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अली खान ने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए ओमकारा सिंह निखरा को 9-4 से मात दी, जबकि शिवांश पाण्डेय ने अनन्त यादव को 9-6 के अंतर से पराजित कर अगले दौर का टिकट कटाया। मैदान पर राजवीर राय ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए महाराष्ट्र के अद्ववेत रायबोले को 9-2 से पीछे छोड़ा। गुजरात के अरहम उदानी ने अथर्व लाहोटी को 9-4 से हराकर अपनी जीत दर्ज की। दिन के सबसे एकतरफा मुकाबलों में विहान नवाब ने मेधांष केलोत्रा को 9-0 से क्लीन स्वीप किया, वहीं रूहान तलरेजा ने शविम ठाकुर को 9-1 और महाराष्ट्र के अरभ गुप्ता ने अयान केड़ीया को 9-1 से हराकर मुख्य दौर में अपनी जगह सुरक्षित की। अब टूर्नामेंट के मुख्य दौर के मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच खिताब के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

न्यूजीलैंड की नई टी20 लीग एनजेड20 की शुरुआत टली, अब दिसंबर 2027 में होगा शुभारंभ

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड क्रिकेट की नई पुरुष और महिला टी20 लीग एनजेड20 की शुरुआत को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस लीग की शुरुआत जनवरी 2027 में प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसके दिसंबर 2027 में शुरू होने की संभावना है।

सोमवार को जारी बयान में न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि लीग की स्थापना और लाइसेंस प्रक्रिया को लेकर सभी पक्षों के साथ सकारात्मक बातचीत चल रही है। हालांकि, बोर्ड ने माना कि प्रतियोगिता को मजबूत और सफल बनाने के लिए अभी और समय की जरूरत है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड की अध्यक्ष डायना पुकेतापु-लिंडन ने कहा, हम चाहते हैं कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक क्रिकेट के अनुरूप हो। एनजेड20 के साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, लेकिन लीग को दीर्घकालिक सफलता दिलाने के लिए अतिरिक्त समय जरूरी है।

उन्होंने बताया कि जनवरी और फरवरी 2027 में आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ पहले से तय टेस्ट श्रृंखलाओं के कारण कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिससे लीग के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने स्पष्ट किया कि 2026-27 सीजन में सुपर स्मैश प्रतियोगिता जारी रहेगी। साथ ही भारत और श्रीलंका की पुरुष टीमों तथा बांग्लादेश महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होंगे।

एनजेड20 स्थापना समिति के अध्यक्ष डान मैकिनन ने कहा कि लीग को जल्दबाजी में शुरू करने के बजाय विश्वस्तरीय बनाना प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि एनजेड20 बिना किसी समझौते के शुरू हो और पहले दिन से ही दीर्घकालिक सफलता के लिए तैयार हो। यह भी जरूरी है कि यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ तालमेल में चले, न कि उसके खिलाफ।

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर जीता ला लीगा खिताब

बार्सिलोना

बार्सिलोना ने रविवार रात खेले गए एल क्लासिको मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को 2-0 से हराकर ला लीगा 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया। कैंप नोउ में खेले गए इस मुकाबले में बार्सिलोना ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और जीत के साथ अपना 29वां ला लीगा खिताब सुनिश्चित कर लिया।

हांसी फ्लिक की टीम अब 91 अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से 14 अंक आगे निकल चुकी है। सीजन में अब केवल तीन मुकाबले बचे हैं, ऐसे में रियल के लिए बार्सिलोना को पकड़ पाना असंभव हो गया है। वहीं विलारियल 69 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

मुकाबले की शुरुआत से ही बार्सिलोना आक्रामक नजर आया। नौवें मिनट में मार्कस रैशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। एंटोनियो रुडिगर द्वारा फेरान टोरेस पर बाक्स के बाहर फाउल करने के बाद मिले मौके को रैशफोर्ड ने बेहतरीन तरीके से गोल में बदल दिया।

इसके नौ मिनट बाद बार्सिलोना ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। फर्मिन लोपेज के क्रास पर दानी ओल्मो ने शानदार बैकहील पास दिया, जिस पर फेरान टोरेस ने जोरदार शाट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ हांसी फ्लिक ने लगातार दूसरा ला लीगा खिताब जीता। पिछले सीजन में भी उन्होंने बार्सिलोना को ला लीगा और कोपा डेल रे का दोहरा खिताब दिलाया था। दोनों टीमें कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। बार्सिलोना की शुरुआती एकादश में लामिन यामाल, राफिन्हा और जूल्स कुंडे शामिल नहीं थे। वहीं रियल मैड्रिड के कई अहम खिलाड़ी चोट और अन्य कारणों से बाहर रहे। एदर मिलिताओ, दानी कार्वाजाल, फेरलैंड मेंडी, आर्दा गुलर और रोड्रिगो टीम का हिस्सा नहीं थे। फेडेरिको वाल्वेर्डे भी सिर में चोट लगने के कारण नहीं खेल सके। बताया गया कि मिडवीक में ड्रेसिंग रूम में आरेलियन चुआमेनी के साथ झगड़े के बाद दोनों खिलाड़ियों पर पांच लाख यूरो का जुर्माना लगाया गया। किलियन एम्बाप्पे भी पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण टीम के साथ यात्रा नहीं कर सके। ऐसे में विनीसियस जूनियर और युवा स्ट्राइकर गोंजालो को आक्रमण की जिम्मेदारी सौंपी गई। पहले हाफ में रियल मैड्रिड ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन बार्सिलोना का हमला ज्यादा खतरनाक रहा। रियल के गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने कई शानदार बचाव कर टीम को बड़े अंतर से हारने से बचाया। दूसरे हाफ में भी बार्सिलोना का दबाव जारी रहा। रैशफोर्ड लगातार रियल के डिफेंस को परेशान करते रहे। वहीं फेरान टोरेस के एक और शानदार प्रयास को कोर्टुआ ने बेहतरीन बचाव कर रोक दिया।

आंखों में बार-बार खुजली और चुभन को न समझें नॉर्मल थकान

आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बड़ेते प्रदूषण के बीच आंखों में जलन, खुजली और पानी आने की समस्या एक आम बात हो गई है। स्क्रीन के इस्तेमाल के बाद हल्की जलन कभी-कभी नॉर्मल लग सकती है, लेकिन अगर आपकी आंखों में बार-बार रेडनेस, ड्राईनेस या ऐसा महसूस होता है जैसे आंखों में कुछ चला गया है, तो यह गंभीर समस्या हो सकती है। आइए डॉ. रश्मि मित्तल (सीनियर कंसल्टेंट, ऑप्थैलमोलॉजी, अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद) से जानें कि आंखों में इरिटेशन के पीछे क्या कारण जिम्मेदार हैं। हमारी आंखों की सतह पानी, ऑयल और म्यूकस की एक पतली परत से सुरक्षित रहती है, जिसे टियर फिल्म कहा जाता है। यह परत आंखों को नम रखने और बाहरी इन्फेक्शन से बचाने का काम करती है। जब यह सुरक्षात्मक परत अस्थिर हो जाती है, तो आंखें सीधे हवा के कॉन्टेक्ट में आती हैं, जिससे ड्राईनेस और जलन शुरू हो जाती है। आजकल आंखों की जलन का सबसे बड़ा कारण कंप्यूटर विजन सिंड्रोम है। जब हम लंबे समय तक स्क्रीन को देखते हैं, तो हमारी पलकें झपकाने की दर 50-60त्न तक कम हो जाती है। कम पलकें झपकाने से आंसू जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आंखों में ड्राईनेस और चुभन महसूस होने लगती है। इसके कारण मीबोमियन ग्लैंड डिसफंक्शन की समस्या भी हो सकती है। इसमें पलकों क ऑयल ग्लैंड्स भी ठीक से काम करना बंद कर देते हैं। भारत के शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या है। हवा में मौजूद प्रदूषण, धुआं और केमिकल सीधे हमारी आंखों की पुतली को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से आंखों की सतह पर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन पैदा होती है। धूल, पोलन, पालतू जानवरों के बाल या मोल्ड अक्सर एलर्जी का कारण बनते हैं। इसे एलर्जिक कंजंक्टिवाइटिस कहा जाता है, जिसमें शरीर हिस्टामाइन रिलीज करता है, जिससे आंखों में तेज खुजली, सूजन और पानी आने लगता है। इसके अलावा, विटामिन-ए की कमी, डायबिटीज, साइनस एलर्जी और ऑटोइम्यून डिसऑर्डर भी आंखों की जलन के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। ज्यादातर लोग राहत के लिए बिना डॉक्टरी सलाह के आई-ड्रॉप्स का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। स्टेरॉयड-बेस्ड आई-ड्रॉप्स डॉक्टर की सलाह के बिना इस्तेमाल करना मोतियाबिंद और ग्लूकोमा जैसी खतरनाक स्थितियों को जन्म दे सकता है।

हंटावायरस का डर

पेट मालिकों भूलकर भी न करें गलतियां

जानलेवा इनफेक्शन से ऐसे करें बचाव

दुनियाभर में एक बार फिरसे इस नए वायरस ने हड़कंप मचा दिया है। हालिए में अर्जेंटीना से अंटार्कटिका जा रहे एक क्रूज शिप पर हंतावायरस (हंटावायरस) के इन्फेक्शन और मौतों की खबर ने दुनिया दहशत में डाल दिया है। असल में यह वायरस जानवरों से इंसानों में फैलता है, जिस वजह से लोगों में हंतावायरस से मन में डर बैठना स्वाभाविक है। इस दौरान सबसे बड़ी चिंता उन लोगों कि जिनके घरों में पालतू जानवर हैं। ऐसे में पेट ओनर के मन में भी सवाल आता है कि क्या उनके प्यारे पेट्स भी जानलेवा वायरस को फैला सकते हैं। आइए आपको बताते हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, कुत्ते और बिल्ली इंसानों में हंतावायरस नहीं फैलाते हैं। हालांकि, कुत्ते और बिल्लियां इस वायरस से संक्रमित हो सकते हैं, यदि वे संक्रमित जंगली चूहों का शिकार करें या उनके संपर्क में आएं। लेकिन संक्रमित होने के बावजूद ये पालतू जानवर बीमार नहीं पड़ते और न ही इनमें कोई लक्षण दिखाई देते हैं। सबसे जरुरी बात यही है कि वे अपने शरीर से इस वायरस को इंसानों में ट्रांसफर नहीं कर पाएंगे। पालतू जानवर खुद इस वायरस को सीधे इंसानों तक नहीं पहुंचाते, लेकिन उनके जरिए संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। यदि आपका कुत्ता या बिल्ली किसी संक्रमित चूहे को पकड़कर घर में ले आए, तो उस चूहे के पेशाब, लार या मल के संपर्क में आने से लोगों में संक्रमण फैलने की आशंका रहती है। बहुत से लोग अपने घर में हैम्स्टर, खरगोश या पालतू चूहों को पालना पसंद करते हैं। सीडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हंतावायरस का संक्रमण ज्यादातर जंगली कृंतकों जैसे डियर माउस, व्हाइट-फुटेड माउस और कॉटन रैट के जरिए फैलता है। वहीं, पालतू जानवरों की दुकानों से खरीदे गए चूहे या छोटे पालतू जीव सामान्यत: इस वायरस से संक्रमित नहीं पाए जाते। लेकिन, इन पालतू जानवरों को ऐसी जगह रखा जाएं, जहां जंगली चूहों का आना-जाना हो, तो इन्फेक्शन का खतरा अधिक हो जाता है। इसके साथ ही घर में 5 साल से कम उम्र के बच्चे हो, प्रेग्नेंट महिलाएं या कमजोर इम्युनिटी वाले लोग हों, उन्हें घर में रोडेंट्स रखने से बचें। हंतावायरस फैलने का मुख्य कारण इन्फेक्टेड रोडेंट के यूरिन, मल या लार से फैलता है। किसी संक्रमित जानवर के काटने या नोचने से भी यह वायरस फैल सकता है। इसके अलावा किसी दूषित सामग्री को छूने के बाद नाक, मुंह या आंखों को छूने से भी यह फैलता है।

- किसी भी तरह से चूहों के मूत्र, मल, लार या घोंसले के सीधे संपर्क आनें से बचना चाहिए।
- घर, गैरेज या स्टोर रूम में मौजूद उन छेदों और दरारों को सील कर दें जहां से चूहे अंदर आ रहे हैं।
- यदि आपको चूहे की गंदगी साफ करनी है, तो वहां झाड़ू न लगाएं। क्योंकि वायरस हवा में उड़ सकता है और नाक के द्वारा सीधे शरीर में प्रवेश कर सकता है। इसलिए उस जगह पर ब्लीच या डिसइंफेक्टेंट से गीला करें। इसके बाद सावधानी से साफ करें।
- अपने पेट्स के खाने और इंसानी खाने को एयरटाइट कंटेनर में रखें जिससे जंगली चूहे आकर्षित न हो।

अफगान से आया 61 साल पुराना कल्ट सांग

पत्नियों का दिल लुभाने के लिए आज भी गाते हैं पति

म्यूजिक इंडस्ट्री के सुनहरे दौर में किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, मुकेश का दबदबा हुआ करता था, उस वक्त मन्ना डे (मन्ना डे) आए। क्लासिकल म्यूजिक में मजबूत पकड़ थी। वह उन गायकों में से थे जिनकी गायिकी में वर्सेटिलिटी थी। मन्ना डे की आवाज में चुलबुलापन, रोमांस और दर्द... सब कुछ महसूस किया जा सकता था। उन्होंने कई कल्ट गाने गाए जिसने उनकी आवाज हमेशा-हमेशा के लिए अमर कर दिया। ठीक 61 साल पहले उन्होंने एक कव्वाली गाया, जो आज भी बहुत मशहूर है। 61 साल बाद भी पति, अपनी पत्नियों के लिए यह कव्वाली गाकर अपने प्यार का इजहार करते हैं। यह भले ही मिडिल-एज बेस्ड कपल सॉन्ग था, लेकिन यह हर एज के लोगों के बीच मशहूर हो गया। यह वास्तव में अफगान से आया था। जिस गीत या कव्वाली की हम बात कर रहे हैं, वो है *ऐ मेरे जोहरा जबीं*। यह गीत 1965 में आई फिल्म *वक्त* का था। यश चोपड़ा निर्देशित फिल्म का म्यूजिक रवि ने डायरेक्ट किया था। जिस वक्त में मोहम्मद रफी का राज था, उस वक्त इस कव्वाली के लिए मन्ना डे को चुना गया। गणेश अनंतरमन की किताब बॉलीवुड मेलोडीज के मुताबिक, मन्ना डे ने इस गीत के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था कि यह गीत उनका सबसे फेवरेट था। यह एक अफगान गाने पर बेस्ड था जिसे कंपोजर रवि ने कव्वाली के रूप में प्रेजेंट किया था। मिडिल-एन्ड मैन पर बेस्ड इस गीत के लिए संयम और मधुरता की जरूरत थी जो मन्ना डे की आवाज में भर-भरकर थी। मन्ना डे ने कहा था कि शायद इसी वजह से रफी को छोड़ उन्हें इस गीत के लिए चुना गया था। इस कव्वाली के बोल साहिर लुधियानवी ने लिखे थे और कंपोजीशन रवि का था।

अलग भूमिका के साथ लौटेंगी भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर ने कथित तौर पर *द रॉयल्स 2* से खुद को अलग कर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फैसले के पीछे पिछले सीजन के दौरान हुई ट्रोलिंग को बड़ा कारण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि लगातार आलोचनाओं के बाद भूमि ने करीब 9 महीने तक काम से दूरी बना ली थी और इस दौरान वह सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी बहुत कम नजर आईं। अब अभिनेत्री एक नए और दमदार किरदार के साथ वापसी की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भूमि ने एक नई कोर्टरूम ड्रामा फिल्म साइन की है, जिसमें वह वकील की भूमिका निभाएंगी। सूत्रों के मुताबिक फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर हिमाचल प्रदेश में की जाएगी। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए भूमि ने अपनी वकील बहन समीक्षा सतीश पेडनेकर से भी सलाह और टिप्स लिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की कहानी पिता-बेटी की जोड़ी के इर्द-गिर्द घूमेगी, जहां दोनों वकील की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में एक अनुभवी अभिनेता भूमि के पिता का किरदार निभाते दिखाई देंगे।

कैटरीना कैफ ने फैंस को दिखाया बेटे की झलक

कैटरीना कैफ ने इस साल अपना पहला मदर्स डे बेहद खास अंदाज में मनाया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने बेटे विहान कौशल की पहली झलक शेयर की, जिसे देखकर फैंस बेहद

भावुक हो गए। कैटरीना और विक्की कौशल ने 7 नवंबर 2025 को अपने बेटे का स्वागत किया था और उसका नाम विहान कौशल रखा है। कैटरीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर घर के कुछ खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं। इनमें एक तस्वीर में नन्हे विहान के छोटे-छोटे हाथ नजर आ रहे हैं, जिसमें वह बच्चों की मशहूर किताब *द वेरी हंग्री कैटरपिलर* पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में गुलाबी फूलों का खूबसूरत गुलदस्ता और विक्की कौशल द्वारा लिखा गया एक प्यारा नोट नजर आया। नोट में लिखा था कि मेरी प्यारी, पहले मातृत्व दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! प्यार सहित, विहान और पापा कौशल। कैटरीना की इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर प्यार बरसाया। एक यूजर ने लिखा कि बहुत प्यारा... मां कैटरीना और नन्हे विहान को ढेर सारा प्यार। वहीं कई लोगों ने दिल वाले इमोजी के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें कि कैटरीना और विक्की ने करीब दो साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2021 में शाही अंदाज में शादी रचाई थी।

ईशा देओल का नया सफर, डिजाइन करेंगी प्रीमियम विला

द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा (एचओएबीएल) ने अभिनेत्री ईशा देओल के साथ नई साझेदारी की घोषणा की है। यह सहयोग अलीबाग में कंपनी के लग्जरी विला प्रोजेक्ट को खास क्रिएटिव डिजाइन और प्रीमियम अनुभव देने के उद्देश्य से किया गया है। करीब 20 एकड़ में फैले इस प्रोजेक्ट में प्राकृतिक मटेरियल, शांत वातावरण और मिनिमलिस्ट डिजाइन की झलक देखने को मिलेगी। प्रोजेक्ट में रहने वालों के लिए 25 से अधिक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा यहां दो भव्य क्लबहाउस भी बनाए जाएंगे, जिनका संचालन मियोरोस होटल्स द्वारा किया जाएगा। कंपनी का दावा है कि यह प्रोजेक्ट लग्जरी और प्रकृति के संतुलन को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। एचओएबीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी समुज्जल घोष के अनुसार, कंपनी का उद्देश्य डिजाइन के माध्यम से भावनाओं, निजी पहचान और अपनेपन की भावना को मजबूत करना है।

झुलसाती गर्मी में शरीर को बर्फ-सी ठंडक पहुंचाएगा गुलाब का शरबत

गर्मियां की चिलचिलाती धूप और पसीने से हर कोई परेशान हो जाता है। ऐसे में, मन करता है कि बस कुछ ऐसा ठंडा पीने को मिल जाए, जो शरीर की सारी थकान तुरंत मिटा दे। बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक्स भले ही पल भर की राहत दें, लेकिन सेहत के लिए ये बिल्कुल भी अच्छी नहीं होती हैं। यही वजह है कि आज हम आपके लिए लेकर आए हैं ताजे गुलाब की पंखुड़ियों से बने *गुलाब के शरबत* की बेहद आसान रेसिपी। यह न सिर्फ आपको बर्फ-सी ठंडक देगा, बल्कि बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को स्वादिष्ट भी लगेगा। इस शरबत को बनाने के लिए आपको आपकी रसोई में मौजूद कुछ ही चीजों की जरूरत पड़ेगी: देसी गुलाब की ताजी पंखुड़ियां: 2 कप (अच्छे से धुली हुई), चीनी: 1.5 कप, पानी: 2 कप, नींबू का रस: 1 बड़ा चम्मच (यह शरबत को जमने या क्रिस्टलाइज होने से रोकता है), इलायची पाउडर: आधा छोटा चम्मच (एक बेहतरीन खुशबू के लिए), चुकंदर का रस: 1 से 2 बड़े चम्मच (बिल्कुल बाजार जैसा प्राकृतिक लाल रंग लाने के लिए - यह ऑप्शनल है)

गुलाब का शरबत बनाने की विधि

सबसे पहले देसी गुलाब की ताजी पंखुड़ियों को साफ पानी से 2-3 बार अच्छी तरह धो लें ताकि सारी धूल-मिट्टी निकल जाए। ध्यान रहे कि हाइब्रिड गुलाब की जगह देसी गुलाब का इस्तेमाल करें, क्योंकि उनकी खुशबू बहुत अच्छी होती है। एक बर्तन में 1 कप पानी लें और उसमें धुली हुई गुलाब की पंखुड़ियां डाल दें। इसे धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक उबलने दें। जब पंखुड़ियों का गुलाबी रंग पानी में अच्छी तरह उतर जाए और पंखुड़ियां हल्की सफेद दिखने लगें, तो गैस बंद कर दें। अब इस उबले हुए पानी को एक छलनी की मदद से छान लें और पंखुड़ियों को अलग कर दें। आपका खुशबूदार और प्राकृतिक *गुलाब जल* बेस तैयार है। एक दूसरे गहरे पैन में 1 कप पानी और डेढ़ कप चीनी डालें। इसे धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक चीनी पूरी तरह पानी में घुल न जाए। इसे हल्का गाढ़ा होने दें। ध्यान रहे कि एक तार की चाशनी नहीं बनानी है, बस हल्का चिपचिपापन आना चाहिए। अब इस गर्म चाशनी में तैयार किया हुआ गुलाब का पानी डाल दें। साथ ही, खुशबू के लिए इलायची पाउडर और सुंदर लाल रंग के लिए चुकंदर का रस मिला दें। इसे 3-4 मिनट तक और पकने दें ताकि सब कुछ आपस में अच्छे से मिल जाए। अब गैस बंद कर दें और शरबत को थोड़ा ठंडा होने दें। जब यह हल्का गर्म रह जाए, तो इसमें नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। पूरी तरह से ठंडा होने के बाद आपका शुद्ध *गुलाब का सिरप* तैयार है। इसे एक साफ कांच की बोतल या जार में भरकर फ्रिज में रख लें। यह सिरप महीनों तक खराब नहीं होता! जब भी आप बाहर की झुलसाती धूप से घर आएं या आपका मन कुछ ठंडा पीने का करे, तो एक कांच के गिलास में 2-3 बड़े चम्मच यह तैयार गुलाब का सिरप डालें। ऊपर से एकदम ठंडा पानी या चिल्ड दूध और बर्फ के कुछ टुकड़े डालें। इसे चम्मच से अच्छे से मिलाएं और ठंडे-ठंडे शरबत का आनंद लें।

GOVT. OF ASSAM
OFFICE OF THE DIRECTOR OF HIGHER EDUCATION, ASSAM
KAHILIPARA, GUWAHATI-19

ADMISSION TIMELINE ANNOUNCED FOR UG ADMISSIONS

ACADEMIC SESSION 2026-27

Apply through:
https://assamadmission.samarth.ac.in/

Admissions for FYUGP, FYIMP and FYUPGP for the Academic Session 2026–27 will be conducted through the Assam State Higher Education Admission Portal (SAMARTH). Students may register and select programmes through the common admission portal as per the schedule below.

KEY HIGHLIGHTS
- Common Application and Admission Portal for all Participating HEIs
- Up to 6 programme options in same HEI or in different HEIs
- Applicant Registration : 11 April to 22 May 2026
- Programme Selection : 12 May to 22 May 2026
- Last date for Applicant Registration and Programme Selection : 22 May 2026
For Non-CUET applicants

NON-CUET ADMISSION SCHEDULE

Date	Activity
11 April 2026	Commencement of Applicant Registration in SAMARTH Portal
12–22 May 2026	Registration and Programme Selection by applicants and simultaneous scrutiny of applications by HEIs
23–25 May 2026	Correction Window for students
26–28 May 2026	Scrutiny of corrected applications by HEIs
29 May – 1 June 2026	Preparation and locking of 1st Merit List
2 June 2026	Publication of 1st Merit List
4–6 June 2026	Admissions of applicants in 1st Merit List
8 June 2026	Preparation and locking of 2nd Merit List
9 June 2026	Publication of 2nd Merit List
10–12 June 2026	Admissions of applicants in 2nd Merit List
15,16,17 June 2026	Spot Admission
1 August 2026	Commencement of Classes

CUET ADMISSION SCHEDULE

Date	Activity
5–13 July 2026	Registration and Programme Selection by applicants and simultaneous scrutiny of applications by HEIs
14–15 July 2026	Correction Window
16–18 July 2026	Scrutiny of corrected applications by HEIs
19 July 2026	Preparation and publication of 1st Merit List
21–22 July 2026	Admissions of applicants in 1st Merit List
23 July 2026	Preparation and publication of 2nd Merit List
25–26 July 2026	Admissions of applicants in 2nd Merit List
28 July 2026	Spot Admission (for CUET)
29–31 July 2026	Final Spot Admission (for both Non-CUET and CUET)
1 August 2026	Commencement of 1st Semester Classes

POST-ADMISSION: 1–5 August 2026: Induction Programme, Demo Classes for Core and Common Courses, and Paper/Course Selection in SAMARTH Portal.

Note: The schedule may be subject to change due to unforeseen circumstances or natural calamities. The CUET admission timeline will depend on the declaration of CUET results. Any changes will be notified accordingly.

-- DIPR /D/VBS-11/12-May-26

For details and updates, visit the ASSAM STATE HIGHER EDUCATION PORTAL (SAMARTH)
- https://assamadmission.samarth.ac.in/ -

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**